राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 20 अगस्त 2025
वर्ष 16, अंक 51, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

किसानों की खाद-यूरिया किल्लत पर नाराज़गी चरम पर..03

दिल्ली का पालम विधानसभा स्थित मधु विहार 'सीवर नरक' में तब्दील..04

सुप्रीम कोर्ट में पहली बार खुली EVM, वोटों की गिनती में हारे हुए प्रत्याशी को मिली जीत, निशाने पर आई BJP

भारत में चुनावी विवादों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) को लेकर हमेशा सवाल उठते रहे हैं। लेकिन अब पहली बार ऐसा हुआ है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर ईवीएम खोली गई और वोटों की गिनती की गई। यह मामला हरियाणा के पानीपत जिले के बुआना लाखु गांव के पंचायत चुनाव से जुड़ा है। यहां सरपंच पद के चुनाव में विवाद हुआ था, जिस पर कोर्ट ने खुद हस्तक्षेप किया और चुनावी रिकॉर्ड सहित ईवीएम की गिनती का आदेश दिया। इस पूरी प्रक्रिया में दोनों पक्ष मौजूद थे और गिनती का वीडियो रिकॉर्डिंग भी की गई। जांच में यह पाया गया कि हारे हुए प्रत्याशी को जीत मिली है। इसे लेकर राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है।

बुआना लाखु गांव का सरपंच चुनाव और विवाद का इतिहास

बुआना लाखु गांव में 2 नवंबर 2022 को सरपंच पद के लिए चुनाव हुआ था। इस चुनाव में कुलदीप कुमार सिंह को विजयी घोषित किया गया था। परंतु मोहित कुमार ने इस नतीजे को चुनौती दी और अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश के समक्ष पुनर्मतगणना की मांग की। न्यायालय ने 22 अप्रैल 2025 को पुनर्मतगणना का आदेश दिया था। हालांकि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने बाद में इस पुनर्मतगणना आदेश को रद्द कर दिया। इसके बाद मोहित कुमार ने मामले को सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचाया। कोर्ट ने अंतिम फैसला सुनाने से पहले चुनाव में इस्तेमाल ईवीएम की गिनती कराने का आदेश दिया, जो पहली बार हुआ।

वोटों की गिनती में हारा हुआ प्रत्याशी हुआ विजेता

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार ईवीएम की गिनती रजिस्टार की निगरानी में की गई। इस दौरान दोनों पक्षों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। पूरी प्रक्रिया का वीडियो रिकॉर्ड किया गया। गिनती के बाद मोहित कुमार को विजयी घोषित किया गया, जबकि पहले कुलदीप कुमार को ही जीतता माना जा रहा था। इस नए नतीजे ने चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए हैं और लोगों के मन में ईवीएम की विश्वसनीयता को लेकर बहस शुरू कर दी है।

राजनीतिक प्रतिक्रिया और BJP पर निशाना

वोटों की इस नई गिनती और परिणाम के बाद राजनीतिक पार्टियों ने इस मुद्दे को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। खासकर विपक्षी नेता तेजस्वी यादव ने इस फैसले को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा है। उनका कहना है कि यह मामला बीजेपी की चुनावी मनमानी और ईवीएम के दुरुपयोग की ओर इशारा करता है। साथ ही कई अन्य नेता और पार्टियां भी इस फैसले को लेकर सवाल उठा रही हैं कि क्या ईवीएम में छेड़छाड़ हो सकती है और चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष है या नहीं। यह विवाद देश में चुनाव प्रणाली की पारदर्शिता और भरोसे को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा का विषय बन गया है।7

क्या है ईवीएम और क्यों है ये विवादित?

ईवीएम यानि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, भारत में चुनाव के दौरान उपयोग की जाने वाली मशीन है, जिससे वोट गिनती इलेक्ट्रॉनिक तरीके से होती है। इसे चुनाव आयोग ने भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी रोकने के लिए लागू किया था। हालांकि समय-समय पर ईवीएम को लेकर मतदाता और पार्टियों के बीच विवाद होते रहते हैं कि कहीं मशीन में छेड़छाड़ तो नहीं की गई। यह मामला भी उसी संदर्भ में देखा जा रहा है, जहां सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार खुद ईवीएम खोल कर जांच की।

आधार, पैन और वोटर आईडी नागरिकता के प्रमाण नहीं...बॉम्बे हाई कोर्ट की बड़ी टिप्पिणी

12 अगस्त 2025 को बॉम्बे हाईकोर्ट की एकल पीठ, न्यायमूर्ति अमित बोरकर की अध्यक्षता में, कथित बांग्लादेशी नागरिक बाबू अब्दुल रऊफ सरदार को जमानत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने यह निर्णय लेते हुए कहा कि केवल आधार कार्ड, पैन कार्ड या वोटर आईडी होने मात्र से कोई व्यक्ति भारतीय नागरिक नहीं बन जाता। यह दस्तावेज पहचान या सेवाओं के लिए होते हैं, पर नागरिकता अधिनियम, 1955 की कानूनी आवश्यकताओं को ओवरराइड नहीं करते।

नागरिकता अधिनियम का महत्व

अदालत ने जोर देकर कहा कि नागरिकता अधिनियम, 1955 ही भारत में नागरिकता संबंधी सभी प्रश्नों का मुख्य नियंत्रक कानून है–यह निर्धारित करता है कि कौन नागरिक हो सकता है, नागरिकता कैसे हासिल की जा सकती है और किन परिस्थितियों में इसे खोया जा सकता है। यही कारण है कि केवल पार पहचान दस्तावेजों पर भरोसा करना–बशर्ते उनकी प्राप्ति प्रक्रिया की विश्वसनीयता जांचे बिना विचारण योग्य नहीं माना जा सकता ।

मामले की संवेदनशीलता—अवैध प्रवेश व धोखाधड़ी की संभावना

अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि सरदार ने बिना वैध पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेजों के भारत में प्रवेश किया और भारतीय पहचान दस्तावेज प्राप्त किए जिनमें आधार, पैन, वोटर आईडी और पासपोर्ट शामिल हैं। अदालत ने यह भी कहा कि इस प्रकार की धोखाधड़ी स्पष्ट करती है कि वह भविष्य में और भी झूठी पहचान बना सकता था। सरदार के फोन से डिजिटल रूप में उसके और उसकी मां के बांग्लादेशी जन्म प्रमाणपत्र भी बरामद हुए, जिससे उसकी विदेशी पहचान की संभावना और मजबूत हो जाती है ।

सत्यापन प्रक्रिया अभी चल रही है

UIDAI और अन्य संबंधित विभागों द्वारा सरदार के दस्तावेजों की सत्यता की जांच अभी जारी है। इस स्तर पर अदालत ने स्पष्ट किया कि दस्तावेज सही हैं या झूठे–इसका फैसला अभी मुकदमे की प्रक्रिया में किया जाएगा।

न्यायालय का डर—फरार होने, सबूत मिटाने या नए दस्तावेज बनाने का जोखिम

अदालत ने माना कि अगर इस स्तर पर जमानत दे दी जाती है, तो आरोपी स्थान छोड़ सकता है, सबूत नष्ट कर सकता है या नए गलत दस्तावेज बनाकर पहचान छिपा सकता है। इसलिए, जमानत नामंजूर करने का निर्णय सुपुर्दगी और न्याय की रक्षा के मद्देनजर उचित था।

संक्षिप्त ख़बरें

DSP शेख आदिल को आतंकियों की मदद के आरोप में क्लीन चिट

श्रीनगर – जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल द्वारा विभागीय कार्यवाहियां बंद करने के आदेश के बाद पुलिस उपाधीक्षक शेख आदिल को बहाल कर दिया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जांच एजेंसी की रिपोर्ट में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आरोपों में "कोई ठोस आधार" न पाए जाने के बाद यह कदम उठाया गया और मामले को "सिद्ध न होन" के कारण बंद कर दिया गया। अदालत ने, उचित विचार-विमर्श के बाद, भारतीय दंड संहिता के तहत संबंधित अपराधों के लिए आरोपपत्र भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि जांच आयोग ने "विस्तृत और निष्पक्ष जांच" के बाद, उक्त अधिकारी को सभी आरोपों से पूरी तरह मुक्त कर दिया। इसके साथ ही, खुफिया शाखा ने अपना स्वतंत्र मूल्यांकन किया और क्लीन चिट जारी कर दी। सूत्रों ने पुष्टि की कि इन निष्कर्षों के आलोक में, जम्मू-कश्मीर सरकार ने विभागीय कार्यवाही को "सिद्ध न होने" के कारण औपचारिक रूप से बंद कर दिया है और उन्हें तत्काल सेवा में बहाल करने का आदेश दिया है।

दफ्तर में खतरे से खाली नहीं WhatsApp चलाना! सरकार ने जारी की Warning

अगर आप भी अपने ऑफिस के लैपटॉप पर WhatsApp Web का इस्तेमाल करते हैं तो आपके लिए बेहद जरूरी खबर सामने आई है। जानकारी के अनुसार भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने ऑफिस के लैपटॉप या वर्क डिवाइस पर WhatsApp Web के इस्तेमाल को लेकर एक गंभीर चेतावनी जारी की है। इससे आपके पर्सनल डेटा, बातचीत और कंपनी की साइबर सुरक्षा को खतरा हो सकता है। मंत्रालय ने बताया कि ऑफिस डिवाइस पर WhatsApp Web चलाने से आईटी एडमिनिस्ट्रेशन टूल्स के माध्यम से निजी चैट, मीडिया फाइल और संवेदनशील डेटा तक पहुंच संभव हो सकती है। इससे डेटा चोरी, फिशिंग अटैक और नेटवर्क हैकिंग जैसी घटनाएं हो सकती हैं। सूचना सुरक्षा जागरूकता टीम (ISAT) ने बताया कि एक बार कंपनी का डिवाइस या नेटवर्क प्रभावित होने पर पूरा आईटी सिस्टम खतरे में आ सकता है। यही वजह है कि कई कंपनियां WhatsApp Web को एक साइबर रिस्क मान रही हैं। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह चेतावनी डर पैदा करने के लिए नहीं, बल्कि डिजिटल अनुशासन और साइबर जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए है। सलाह दी गई है कि सोशल मीडिया और चैट एप्स का उपयोग निजी डिवाइस पर ही करें और कंपनियां अपनी आईटी नीतियों में इस बारे में स्पष्ट प्रावधान रखें।

'जब वो मृत्यु शैय्या पर थे उन पर मुकदमे लगाए गए' सत्यपाल मलिक को लेकर भाजपा सरकार पर बरसे रामगोपाल, कहा- वोट चोरी से जीत रही BJP

समाजवादी पार्टी के प्रमुख महासचिव और राज्यसभा सांसद प्रोफेसर रामगोपाल यादव आज मेरठ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। साथ ही साथ प्रोफेसर रामगोपाल यादव पीडीए परिवार की जमकर वकालत करते हुए नजर आए। इस दौरान अपने भाषण में समाजवादी पार्टी के प्रमुख महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने किस प्रकार सत्य मलिक का अपमान किया है यह सबको बताया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब वो मृत्यु शैय्या पर थे उस वक्त भी उन पर मुकदमे लगाए गए जबकि वो बिल्कुल सही और ईमानदार आदमी थे।

भाजपा ने सत्यपाल मलिक का अपमान किया

दरअसल, समाजवादी पार्टी के प्रमुख महासचिव और राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव आज एक कार्यक्रम में मेरठ पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम लोगों का रोजाना संघर्ष चलता है। उन्होंने कहा कि वो पूरी बिरादरी को याद दिलाना चाहते हैं कि भाजपा ने किस तरीके से सत्यपाल मलिक का अपमान किया। उन्होंने कहा कि जब वह मृत्यु शैय्या पर थे तब उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया जबकि वह 100% ईमानदार व्यक्ति थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि जब सत्यपाल मलिक ने शिकायत की तब उसी पल उनके खिलाफ मुकदमा कायम करा दिया गया। उन्होंने कहा कि सत्यपाल मलिक ने जिनके खिलाफ शिकायत की उन्होंने करोड़ों रुपए के इलेक्टोरल बॉन्ड लिए, करोड़ों रुपए भारतीय जनता पार्टी को चंदा दिया जिसके चलते उन्हें हजारों करोड़ों का ठेका कश्मीर में दे दिया गया लेकिन मुकदमा सत्यपाल मलिक पर हुआ।

भाजपा पूरी तरीके से पीडीए के खिलाफ

उन्होंने कहा कि किस तरीके से उपराष्ट्रपति को उनके पद से हटाया गया ये सब जानते हैं। भाजपा पीडीए के पूरी तरीके से खिलाफ है और अगर कोई बड़ा नेता उभर कर आता है तो उसे भारतीय जनता पार्टी खत्म कर देती है। उन्होंने कहा कि हम लोग संसद के अंदर और संसद के बाहर भी संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस वक़्त संसद के अंदर जो संघर्ष हो रहा है वो लोकतंत्र को बचाने के लिए और लोगों का वोट बचाने के लिए हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज किस तरीके से वोट की चोरी हो रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि सब ने देख लिया होगा कि जिस तरीके से हरियाणा में चुनाव था और उस प्रत्याशी को हरा दिया गया जिसको सुप्रीम कोर्ट ने पकड़ लिया और फ़िर उस हारे हुए प्रत्याशी को जीता हुआ घोषित किया गया क्योंकि उसकी वोट वाली ईवीएम में गड़बड़ी कर उसे हराया गया था।

वोट चोरी से जीत रही BJP

यादव ने कहा कि मौजूदा सरकार चोरी करके बनी हुई है वरना आज प्रदेश में आप लोगों की सरकार होती और दिल्ली में इंडिया गठबंधन की सरकार होती। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार एनआरसी को घुमा फिराकर लगाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जब उनके पास नेता वोट मांगने आए तो वो वोटर लिस्ट जरूर चेक करें और अगर उसमें उनका नाम नहीं है तो अपना वोट जरूर बनवाएं। उन्होंने कहा कि अगर ये सरकार दोबारा सत्ता में आ जाती है तो अपने विरोधियों को सरकार बांग्लादेशी, पाकिस्तानी, नेपाली बताएगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार के द्वारा विपक्ष पर आरोप लगाया जा रहा है कि विपक्ष संसद नहीं चलने दे रहा है। उन्होंने कहा कि संसद आखिर किस लिए है, संसद जनता के हक और हितों की रक्षा करने के लिए है और अगर जनता के हक़ों को छीना जा रहा है तो विपक्ष का काम है कि वो ऐसे काम को न होने दे और वही काम हम लोग कर रहे हैं।

'युवा वोट बनवा लें नहीं तो दरोगा आपको विदेशी बता देगा '

इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि इलेक्शन कमीशन वैसा ही कर रहा है जैसा बीजेपी कह रही है और जब तक जनता का वोट सुरक्षित नहीं हो जाएगा तब तक हम लोग आंदोलन करते रहेंगे। इस दौरान उन्होंने कहा कि वोट चोरी करने के मामले का खुलासा भी हो गया है और अब इलेक्शन कमीशन के पास कहने को कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि आर्टिकल 326 यही कह रहा है कि जो 18 साल या उससे ज्यादा उम्र का व्यक्ति है उसका वोट रजिस्टर होगा और अगर कोई 18 साल से ऊपर का व्यक्ति है और उसका वोट नहीं है तो उसके चलते कोई भी दारोगा उस व्यक्ति से कह सकता है कि वो व्यक्ति हिंदुस्तानी नागरिक नहीं है।

कुत्ते सबसे सुंदर, सौम्य प्राणी हैं, सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बोलीं प्रियंका गांधी, कहा- वे क्रूर बर्ताव के हकदार नहीं

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को कहा कि शहर के सभी आवारा कुत्तों को कुछ ही हफ्तों में आश्रय स्थलों में भेजने का कदम उनके साथ ''बेहद अमानवीय'' व्यवहार होगा। प्रियंका गांधी ने कहा कि कुत्ते सबसे सुंदर और सौम्य प्राणी हैं तथा वे इस तरह क्रूर बर्ताव 'के हकदार नहीं हैं। उनकी यह टिप्पणी उच्चतम न्यायालय द्वारा दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के अधिकारियों को सड़कों से सभी आवारा पशुओं को यथाशीघ्र 'आश्रय स्थलों में स्थायी रूप से स्थानांतरित करने का निर्देश दिए जाने के एक दिन बाद आई है। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स ' पर एक पोस्ट में कहा, ''शहर के सभी आवारा कुत्तों को कुछ ही हफ्तों में आश्रय स्थलों पर भेजना उनके साथ बेहद अमानवीय व्यवहार होगा। उन्हें रखने के लिए पर्याप्त आश्रय स्थल भी मौजूद नहीं हैं।'' कांग्रेस महासचिव ने कहा कि शहरी परिवेश में पशुओं के साथ दुर्व्यवहार और क्रूरता की जाती है।

कुत्ते सबसे सुंदर और सौम्य प्राणी हैं- प्रियंका गांधी

वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी ने कहा, ''स्थिति को संभालने का निश्चित रूप से एक बेहतर तरीका है। कोई ऐसा मानवीय तरीका खोजा जा सकता है, जिसमें इन निर्दोष जानवरों की देखभाल की जा सके और उन्हें सुरक्षित रखा जा सके।'' प्रियंका गांधी ने कहा कि कुत्ते सबसे सुंदर और सौम्य प्राणी हैं, वे इस तरह के क्रूर बर्ताव के हकदार नहीं हैं।

आठ सप्ताह में 5,000 कुत्तों के लिए आश्रय स्थल बनाने का निर्देश '

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को निर्देश दिया कि दिल्ली सरकार और गुरुग्राम, नोएडा और गाजियाबाद के नगर निकाय सभी आवारा पशुओं को हटाकर आश्रय स्थलों रखें। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि आवारा कुत्तों के काटने से, खासतौर पर बच्चों में होने वाली रेबीज की समस्या बेहद गंभीर है। शीर्ष अदालत ने कहा कि समय के साथ कुत्तों के लिए आश्रय स्थलों की संख्या बढ़ानी होगी। अदालत ने दिल्ली के प्राधिकारियों को छह से आठ सप्ताह के भीतर लगभग 5,000 कुत्तों के लिए आश्रय स्थल बनाने का निर्देश दिया है।

NCERT की किताब पर छिड़ा विवाद- कांग्रेस का आरोप

NCERT के एक नए पाठ्यक्रम मॉड्यूल 'फल्प्रिट्स ऑफ पार्टीशन 'को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि इस मॉड्यूल में भारत के विभाजन के इतिहास को गलत तरीके से पेश किया गया है। यह मॉड्यूल कक्षा 6 से 8 के छात्रों के लिए एक सप्लीमेंट्री बुक के रूप में बनाया गया है।

मॉड्यूल में विभाजन के लिए किसे दोषी ठहराया गया?

NCERT के इस मॉड्यूल में कहा गया है कि 15 अगस्त, 1947 को भारत का विभाजन किसी एक व्यक्ति की करतूत नहीं थी। इसमें तीन मुख्य लोगों को जिम्मेदार ठहराया गया है-1. मोहम्मद अली जिन्ना- जिन्होंने पाकिस्तान की मांग की

2. कांग्रेस- जिसने इस मांग को स्वीकार किया

3. लॉर्ड माउंटबेटन- जिन्होंने विभाजन को लागू किया

कांग्रेस ने क्या दी प्रतिक्रिया?

कांग्रेस के नेताओं ने इस मॉड्यूल पर कड़ी आपत्ति जताई है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि अगर इस किताब में हिंदू महासभा की भूमिका का जिक्र नहीं है, तो इसे फाड़ देना चाहिए। उन्होंने बताया कि 1938 में हिंदू महासभा ने सबसे पहले 'टू-नेशन थ्योरी 'का प्रस्ताव रखा था, जिसे बाद में मुस्लिम लीग ने समर्थन दिया। वहीं कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने कहा कि 'टू-नेशन थ्योरी ' का विचार विभाजन से करीब सात दशक पहले से मौजूद था और इसके समर्थक हिंदू और मुस्लिम दोनो थे। उन्होंने कहा कि यह NCERT का पार्टीशन हॉरर्स ' चैप्टर इतिहास को तोड़ने-मरोड़ने का मामला है।

क्या है टू-नेशन थ्योरी ?

टू-नेशन थ्योरी 'का मुख्य आधार यह था कि हिंदू और मुस्लिम दो अलग-अलग समुदाय हैं, जिनकी राजनीतिक और आर्थिक ज़रूरतें अलग हैं और वे एक साथ नहीं रह सकते। इस सिद्धांत के आधार पर मुसलमानों के लिए एक अलग देश, पाकिस्तान की मांग की गई। मुस्लिम लीग ने 23 मार्च 1940 को अपने लाहौर अधिवेशन में आधिकारिक तौर पर इस प्रस्ताव को रखा, जिसमें भारत के उत्तर-पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों में मुसलमानों के लिए स्वतंत्र राज्यों के निर्माण की मांग की गई थी।

वाहनों में पेट्रोल की जगह भरा पानी! इंजन हुए सीज... जबरदस्त हंगामा

लुधियाना (खुराना) – शहर से पेट्रोल पंप पर तेल की जगह पर भर पानी भर दिया, जिस कारण भारी हंगामा देखने को मिला। समराला चौक के नजदीक पड़ते गुरु अर्जन देव नगर में भारत पेट्रोलियम कंपनी से संबंधित बैरन फ्यूल पर गत देर रात को उस समय जमकर हंगामा हुआ जब पेट्रोल पंप पर तैनात कर्मचारियों द्वारा दर्जनों वाहन चालकों की गाड़ियों में पेट्रोल की जगह पानी भर दिया। इस कारण वाहनों के इंजन सीज पड़ गए और गुस्से में भड़के लोगों ने पेट्रोल पंप को घेर लिया। पेट्रोल पंप से तेल भरवाने के बाद चंद कदमों की दूरी पर जाकर ही वाहनों ने जवाब देना शुरू कर दिया जिसके कारण रात के समय वाहन चालकों के साथ सफर कर रही महिलाओं और मासूम बच्चों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। इस दौरान चालक किसी तरह से अपने वाहनों को पेट्रोल पंप पर वापिस लेकर पहुंचे और पेट्रोल में पानी मिक्स होने की बात को लेकर विरोध जताते हुए इंसाफ की गुहार लगाई गई लोगों ने कहा पेट्रोल पंप डीलर की लापरवाही के कारण उनको भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। इस दौरान एक वाहन चालक ने अपने मोटरसाइकिल की टैंकी से निकल कर पेट्रोल मिक्स पानी पीते हुए आरोप लगाए है कि पेट्रोल पंप के कर्मचारियों द्वारा पीड़ित लोगों का मसला सुलझाने की जगह उल्टे पेट्रोल पंप की सभी लाइटें बंद कर दी गई।

इस दौरान विरोध कर रहे एक व्यक्ति के साथ पेट्रोल पंप के करिंदो द्वारा मारपीट तक की गई है जो कि जांच का विषय है। इस दौरान गुस्से में भड़की महिलाओं द्वारा जिला प्रशासन से पेट्रोल पंप को बंद करवाने और पीड़ित लोगों को मुआवजा दिलवाने की मांग की है। वही शहर में फूड आइटम की डिलीवरी करने वाले गरीब डिलीवरी बॉयज द्वारा आरोप लगाए गए हैं कि वह दिन रात सड़कों पर घूम कर लोगों के घरों में ऑर्डर डिलीवर कर अपने परिवारों के लिए रोटी का जुगाड़ करते हैं, लेकिन पेट्रोल पंप के कर्मचारियों ने उनके वाहनों में पेट्रोल के साथ पानी भरकर पूरे परिवार की टेंशन बढ़ा कर रख दी है। काबिले गौर है कि इससे पहले भी उक्त पेट्रोल पंप कई बार विवादों को लेकर मीडिया में सुर्खियां बटोरता रहा है। मामले को लेकर जब बैरन फ्यूल पेट्रोल पंप के डीलर के फोन किया गया तो उनके साथ संपर्क नहीं हो पाया है। जबकि इस मामले पर भारत पेट्रोलियम कंपनी के सेल्स अधिकारी निखिल सोलंकी ने बताया कि पेट्रोल में पानी मिक्स होने की जानकारी मिलने के तुरंत बाद ही कंपनी द्वारा पंप पर तेल की सप्लाई बिक्री को बंद कर दिया गया है निखिल ने कहा कि जब तक औपचारिकताएं सभी पूरी नहीं की जाती तब तक पेट्रोल पंप पर तेल की बिक्री बंद रहेगी।

EC का राहुल गांधी को करारा जवाब- गंदे शब्दों का इस्तेमाल कर झूठा नैरेटिव बनाने की कोशिश न करें

बिहार में मतदाता सूची की समीक्षा के लिए चलाए गए विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल इस अभियान को लेकर चुनाव आयोग पर 'वोट चोरी 'का गंभीर आरोप लगा रहे हैं। खासतौर पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी चुनाव आयोग पर लगातार हमलावर हैं। इन आरोपों के जवाब में चुनाव आयोग ने कड़ी आपत्ति जताई है और एक मजबूत बयान जारी किया है।

चुनाव आयोग ने कहा, 'वोट चोरी ' जैसे शब्द गलत

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के 'वोट चोरी ' जैसे शब्दों के इस्तेमाल पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा है कि इस तरह के 'गंदे ' शब्दों का इस्तेमाल कर झूठा नैरेटिव बनाना न सिर्फ करोड़ों भारतीय मतदाताओं का अपमान है, बल्कि लाखों चुनाव कर्मियों की ईमानदारी पर भी सीधा हमला है। आयोग ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया पारदर्शी और नियमों के तहत की जाती है, जिसका मकसद एक सटीक और विश्वसनीय मतदाता सूची तैयार करना है।

विपक्ष का आरोप

बिहार में वोटर लिस्ट संशोधन प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग और सरकार पर गंभीर आरोप लगाने शुरू कर दिए थे। विपक्षी नेताओं का कहना है कि इस अभियान के जरिए जानबूझकर वैध मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। उनका मानना है कि यह सब चुनावी लाभ के लिए किया जा रहा है। इस मुद्दे पर संसद से लेकर सड़क तक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और अब तो यह मामला सुप्रीम कोर्ट में भी पहुंच गया है, जहां इसकी कानूनी लड़ाई शुरू हो चुकी है।

राहुल गांधी लगातार कर रहे हैं हमला

राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर कई बार सार्वजनिक मंचों और सोशल मीडिया पर चुनाव आयोग पर हमला बोला है। उन्होंने सीधे तौर पर आयोग पर 'वोट चोरी ' का आरोप लगाया है, जिससे यह विवाद और भी गहरा गया है। उनके इन आरोपों के बाद ही चुनाव आयोग ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अपनी स्थिति स्पष्ट की है। आयोग ने कहा है कि ऐसे आरोपों से संस्था की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होते हैं, जो लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है।

चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल

यह विवाद भारतीय चुनाव प्रणाली की निष्पक्षता पर सवाल खड़े कर रहा है। जहां एक ओर चुनाव आयोग अपनी प्रक्रियाओं को सही ठहरा रहा है, वहीं दूसरी ओर विपक्षी दल इसे एक राजनीतिक साजिश का हिस्सा बता रहे हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में क्या रुख अपनाता है और क्या चुनाव आयोग अपनी विश्वसनीयता को बनाए रख पाता है।

उत्तरकाशी की धराली आपदा : क्या वाकई बादल फटा ? वैज्ञानिक विश्लेषण, कारण और समाधान

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद के धराली क्षेत्र में हाल ही में आई आपदा ने हिमालयी क्षेत्र की बढ़ती संवेदनशीलता और जोखिम को एक बार फिर देश के सामने रखा है। मीडिया में इस घटना को, बादल फटना, बताया गया, लेकिन प्रो0 भरत राज सिंह, महानिदेशक, स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ के अनुसार यह केवल बादल फटने की घटना नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन, तेजी से पिघलते ग्लेशियर और भूगर्भीय अस्थिरता का परिणाम है। हिमालय विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ग्लेशियर स्रोत है, जहां पिछले दशकों में ग्लेशियरों के पिघलने की दर 60 से 70 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इससे हिमालय की पारिस्थितिकी और मानवीय बस्तियों को गंभीर खतरा है। तेजी से बढ़ता शहरीकरण, खनन, बड़े निर्माण कार्य और पर्यावरणीय दबाव इस क्षेत्र की नाजुक भौगोलिक संरचना को कमजोर कर रहे हैं, जिससे भूस्खलन, भूमि धंसाव और बाढ़ जैसी आपदाओं में वृद्धि हो रही है। इसका मुख्यकारण ग्लेशियर के पिघलने से पहड़ियों पर दबाव कम हुआ और परमाफ़रॉस्ट के कारण पहाड़ियां उठ रही है और उनका जुड़ाव कम हो गया है जिससे बारिस में पहाड़ियां गिरने लग रही है। प्रत्येक वर्ष इसकी अधिकता हो रही है। पुनर्वास की चुनौती धराली आपदा ने हिमालयी क्षेत्रों में पुनर्वास की जटिलताओं को स्पष्ट किया है। जोशीमठ की घटना इसका एक प्रमुख उदाहरण है, जहां भूस्खलन के कारण सैकड़ों घर क्षतिग्रस्त हुए और हजारों लोग विस्थापित हुए। प्रभावितों को तत्काल अस्थायी राहत मिलना जरूरी है, लेकिन दीर्घकालिक पुनर्वास की योजना के बिना उनके जीवन में स्थिरता नहीं आती। इसलिए आवश्यक है कि संवेदनशील इलाकों के लोगों के लिए पूर्व नियोजित, सुरक्षित और टिकाऊ पुनर्वास विकल्प उपलब्ध कराए जाएं।

फुटहिल रेसिडेंशियल इन्फ्रास्ट्रक्चर योजना प्रो0 भरत राज सिंह ने इस समस्या के समाधान के लिए फुटहिल रेसिडेंशियल इन्फ्रास्ट्रक्चर मॉडल प्रस्तावित किया है। इसका उद्देश्य है हिमालयी तलहटी के सुरक्षित क्षेत्रों जैसे देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल आदि में पूर्व निर्धारित आवासीय क्लस्टर बनाकर संवेदनशील गांवों के लोगों को आपदा के समय सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करना। इस योजना में न केवल सुरक्षित आवास होंगे, बल्कि स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, बाजार, सार्वजनिक परिवहन जैसी आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। यह मॉडल स्थानीय सांस्कृतिक और सामाजिक संरचनाओं को बनाए रखने पर विशेष ध्यान देता है।

संचालन तंत्र और लाभ इस योजना के अंतर्गत संवेदनशील इलाकों का जोखिम मानचित्रण, मॉड्यूलर और भूकंप रोधी निर्माण, पूर्व आवंटन प्रणाली, नियमित आपदा पूर्वाभ्यास और आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए कृषि एवं कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन शामिल है। पूर्व निर्धारित क्लस्टर की वजह से आपदा के तुरंत बाद सुरक्षित स्थानांतरण संभव होगा और समय पर सुरक्षित स्थानांतरण से जान माल की हानि कम होगी। समुदाय एक साथ पुनर्वासित होकर सामाजिक ताने बाने को बनाए रख सकेगा और स्थानीय व्यवसायों और कृषि को समर्थन मिलेगा। लागत प्रभावशीलता यह पुनर्वास महंगे आपातकालीन उपायों से अधिक किफायती और टिकाऊ होगा।

नीतिगत प्रस्ताव यह योजना भारत की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना और संयुक्त राष्ट्र के सेन्दाई फ्रेमवर्क (2015-2030) के बिल्ड बैक बेटर सिद्धांत के अनुरूप है। राज्य सरकारें, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और विश्व बैंक के सहयोग से इसे प्रभावी रूप से लागू कर सकती है। उपरोक्त से यह स्पष्ट होता है कि धराली, जोशीमठ और केदारनाथ जैसी घटनाओं ने हिमालयी क्षेत्र की नाजुकता और आपदा प्रबंधन की अत्यंत आवश्यकता है।

पारंपरिक राहत कार्यों से आगे बढ़कर पूर्व नियोजित, सुव्यवस्थित और टिकाऊ पुनर्वास की आवश्यकता है। फुटहिल रेसिडेंशियल इन्फ्रास्ट्रक्चर मॉडल इस दिशा में एक व्यावहारिक और प्रभावी कदम है, जो हिमालयी निवासियों को सुरक्षित आवास, आजीविका और सामाजिक स्थिरता प्रदान करेगा।

सरकारों और समाज के सभी स्तरों को मिलकर इस मॉडल को अपनाकर हिमालयी क्षेत्रों में आपदा जोखिम को कम करने और सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए काम करना चाहिए।

भरत राज सिंह

राष्ट्रवाद बनाम धार्मिक कट्टरता, बौद्धिक संतुलन की दरकार

राष्ट्रवाद सार्वभौमिक सत्य है। राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्रवाद की भूमिका हमेशा अति महत्वपूर्ण रही है। देश के हर नागरिक की जिम्मेदारी भी है कि उसकी राष्ट्र के प्रति गहरी निष्ठा,समर्पण हो, पर इसका कतई आशय नहीं है की सत्ता लोलुप राजनीतिक पार्टियां राष्ट्रवाद को धर्म संप्रदाय से जोड़कर सत्ता हथियाने का अवसर या अस्त्र बनाने का प्रयास करें, निसंदेह इस बात से राष्ट्रीय भावना विखंडित,आहत होती है। ऐतिहासिक तौर पर लगातार सत्ता पर बने रहने के लालच से कोई भी राजा सम्राट अथवा बादशाह चिंता नहीं रहा है। वर्तमान परिदृश्य में राजनीतिक पार्टी के नेता भी सत्ता लोलुपता से परे नहीं है, इस संदर्भ में कई बार राष्ट्रवाद को धर्म से जोड़कर भावनात्मक तरीके से इसे सत्ता प्राप्ति का अस्त्र तथा अवसर बनाकर उपयोग किया जाता रहा है।

सत्ता सदैव परिवर्तनशील होती रहनी चाहिए, यह एक स्वस्थ लोकतंत्र की परंपरा को और मजबूत बनाती है। लगातार सत्ता किसी भी सत्ताधीश को निरंकुश बनाकर अधिनायकवाद के बीज को रोपित करती है देश में अवसरवादी राजनीतिक दलों की उपस्थिति जातिवादी समीकरण के अतिवादी दृष्टिकोण, अब परिपक्व लोकतांत्रिक संस्थाओं का परिचालन एवं आमजन की सीमित तर्क बुद्धि एवं और दूरदर्शिता के कारण कई बार जनता के दूरगामी लाभ के स्थान पर तात्कालिक लाभ की प्रक्रिया से अवसरवादी अभिमत तथा तुष्टीकरण की नीति से जनता के लाभ के अवसर को दूर ले जाते हैं।

राजनीतिक पार्टियों की अवसरवादी तथा पद लोलुपता की अभिवृत्ति जनता को तुरंत लाभ देने की सर दूरदर्शन नीति लोकतंत्र को बहुत बड़े खतरे की ओर ले जाती है एवं इससे राष्ट्रीय विकास की क्षमता में बहुत ज्यादा स्खलन होने की संभावना होती हैद्य जनता के हितों उनकी भावनाओं से खिलवाड़ कर शोषण करना अंततः राष्ट्रीय चरित्र तथा अनुशासन के स्थान पर आर्थिक तथा सामाजिक सुरक्षा चरित्र को जन्म देती हैद्य अवतारवाद राजनीति का एक अंग हो सकता है किंतु सदैव आशीर्वाद तथा पद लोलुपता राजनीति को गर्त में ले जाने सदस्य है यह अलग मुद्दा है कि जन भावना बहुमत की भावना तथा सामाजिक प्रथाएं एवं तात्कालिक हित किसी भी लोकतंत्र के लिए आवश्यक अंग हो सकते हैं लोकतंत्र में विशेष परिस्थितियों में जनता का समर्थन प्राप्त करना एवं उनके हितों की रक्षा के लिए नए उपायों की अवधारणा उचित हो सकते और आवश्यक भी, किंतु राजनीति में पद लोलुपता अवसरवादी ता एवं जातिवाद को विखंडित करने की नियत किसी भी दृष्टि से लोकतंत्र के हित में नहीं दिखाई देती हैंद्य भारतीय परंपरा में भी शाम दाम दंड भेद सुशासन का प्रमुख उपकरण मान लिया गया है पर इसके दूरगामी परिणाम तुष्टीकरण के साथ-साथ अनुशासन की महत्ता को कमतर करने का कार्य करते हैंद्य यह सुनिश्चित है कि बिना विकसित लोकतांत्रिक उपकरणों के लोकप्रियता को मापना एक दुष्कर कार्य हो जाता है कई बार कम संख्या परंतु मजबूत संगठन वाले समूह के हित के लिए अनुचित साधन बनकर रह जाते हैं, और यही कारक बहुमत के शासन के लोकतांत्रिक आदर्श के विपरीत चले जाते हैंद्य लोकतांत्रिक मूल्यों सिद्धांतों को अवसरवादी का पत्ता एवं दलबदल क्षति पहुंचाने के बहुत बड़े कारण हैंद्य अवसरवाद तथा सत्ता की चाहत लोकतांत्रिक मूल्यों के दूरगामी दुष्परिणामों का बड़ा संकेत हो चुका है।

भारतीय संविधान में भी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के छोटे-छोटे छिद्रों से राजनीतिक दल अवसर के जो ताने बाने बुनते हैं उससे राजनैतिक एवं ऐतिहासिक प्रति मानव को हमेशा नुकसान ही हुआ है। अब राजनीति में सिद्धांतों की प्रतिबद्धता बहुत निम्न स्तर पर पहुंच गई है जिससे लोकतांत्रिक नीतियों और सिद्धांतों मैं बहुत ज्यादा विसंगतियां पैदा हो चुकी हैं। लोकतंत्र में बहुमत के साथ अधिनायकवाद अवतारवाद सत्ता लोलुपता और जातिगत समीकरणों का गलत तरीके से उपयोग सामंतवादी आ लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को जन्म दे सकता है।

जातिवादी मतदान की लोकप्रियता वादी मजबूरी के कारण खाप पंचायतों का उदय हुआ है जो पंचायती लोकतंत्र को प्रतिस्थापित कर के मूलभूत लोकतांत्रिक व्यवस्था के पतन का कारण भी बन सकता है। धर्म तथा धार्मिक प्रथाओं में समानता एवं स्वतंत्रता का हनन धार्मिक लोकतंत्र के अंत का ही स्वरूप है, जिसका कारण तुष्टीकरण आधारित लोकप्रियता वाद एवं अवतारवाद हो सकता है। पशु व्यापार गोवंश के पद पर एकतरफा प्रतिबंध को भी भारतीय लोकतंत्र के समानता स्वतंत्रता एवं धर्मनिरपेक्षता के आदेशों पर एक नकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा है। अवतारवाद जातिवादी राजनीति और पद लोलुपता तानाशाही प्रवृत्ति को जन्म दे सकते हैं। अति राष्ट्रवादी होने के स्वरूप को ऑन कर तानाशाही की प्रवृत्ति को आम जनता के ऊपर लागना सैनिक तानाशाही अधिनायकवाद तथा फासीवाद को भी जन्म देने की प्रक्रिया के अंग हैं।

लोकतंत्र में राजशाही की तरह शासकीय धन का मनमाना दुरुपयोग एक अनैतिकग प्रक्रिया है एवं यह सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करने का निम्न स्तरीय हथकंडा भी है। इससे न सिर्फ जनता पर करों का बोझ पड़ता है बल्कि सार्वजनिक रूप से किए जाने वाले जनहित के कार्यों का भीक अवरोध बन जाता है। चुनाव में मतदान को प्रभावित करने के लिए टीवी में मोबाइल फोन लैपटॉप आदि का प्रॉब्लम भी लोकप्रियता किंतु आर्थिक दूरदर्शी एवं लोकतांत्रिक न्याय के प्रतिकूल है।

बीसवीं सदी के लगभग सभी थाना गांव द्वारा किस प्रकार के सैनिक राष्ट्रवाद द्वारा सस्ती लोकप्रियता पाकर लोकतंत्र को रोकने का प्रयास किया गया। पाकिस्तान म्यानमार उत्तर कोरिया देशों में व्यापक सुरक्षा हिंसा आतंकवाद पर नियंत्रण की लूट प्रिय तावादी धारणा का प्रयोग सैन्य प्रभाव को बरकरार रखने के लिए रो रहा है। लोकतंत्र का सदैव उद्देश्य तथा आदर्श जनता का समर्थन प्राप्त करना जनता किसानों की छांव की पूर्ति करना एवं जनता की हर सुविधा का ध्यान रखना है। पर देश का लोकतंत्र सत्ताचरिता, अवसरवादीता एवं सत्तारूढ़ बने रहने की जुगत में क्षतिग्रस्त होता जा रहा है लोकतंत्र की भविष्य की संभावनाएं एवं उसके स्तंभ कमजोर होते जा रहे हैं ऐसे में देश के समृद्ध एवं प्रबुद्ध वर्ग को पहल करने आगे आना होगा वरना लोकतंत्र के दुरुपयोग के दूरगामी परिणाम विध्वंसकारी भी हो सकते हैं।

पता अवसरवादी लोकप्रियता वादी विचारों के असंतुलित तात्कालिक लाभों के स्थान पर बहुआयामी लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर ही संतुलित विकास एवं समायोजन पर ध्यान देना चाहिए।परिणाम स्वरूप जनता ,सरकार ,राजनीतिक दल, मीडिया, सिविल सोसाइटी तथा अन्य सभी के हित की दृष्टि में बहुत ही व्यापक तथा दूरगामी परिणाम लाने वाले लोकतांत्रिक स्तंभ को एकजुट होकर सामाजिक संतुलन बनाए रखना होगा। एवं हम सभी के समेकित प्रयास से लोकतांत्रिक मूल्यों सिद्धांतों एवं उसकी मूलभूत अवधारणाओं की रक्षा हो सकेगी।

संजीव ठाकुर

दैनिक राशिफल

ज्योतिष सेवा केन्द्र लखनऊ
डॉ. कौशलेन्द्र पाण्डेय जी
मो.9455715061,8896344970

1.मेष
अपनी स्थिति देखते हुए खर्च कीजिये अत्यधिक खर्च आपको विचलित कर सकता है।किसी विद्वान से भेंट संभव जिससे मोक्ष से संबंधित ज्ञान की प्राप्ति हो सकती है। किसी के साथ घूमने फिरने की योजना बनेगी व्यवस्थापक आप हो सकते है।

2.वृष
सकारात्मकता बनाये रखिये आय के स्त्रोत में वृद्धि होगी। आपकी किसी आर्थिक , मानसिक , भौतिक मनोकामना की पूर्ती संभव है ।अपने प्रयास में कोई कमी न आने दें कोई उपलब्धि आपके खाते में जुड़ सकती है।

3.मिथुन
पिता से किसी प्रकार की मदद मिल सकती है आर्थिक, भौतिक, मानसिक किसी भी प्रकार की मदद। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी किसी कार्य के लिये सम्मानित हो सकते है। सम्मानकारक समय है यश और कीर्ति का झंडा फहरायेगें।

4.कर्क
धर्म कर्म में रूचि जागृत होगी किसी पाठ को करने से शांति मिलेगी ।ससुराल के लोगों से मुलाकात हो सकती है वो आ सकते है या आप जा सकते है।अकस्मात किसी तरह से धन लाभ होगा कितना होगा इस पर विचार न करे।

5.सिंह
आकस्मात धन की प्राप्ती हो सकती है हो सकता है आय का साधन उपयुक्त न लगे।वाहन चलाते समय सावधानी रखिये थोडी सी असावधानी से दुर्घटना हो सकती है ।लंबी दूरी की यात्राओ की योजना बना सकते है देशाटन के प्रबल योग।

6.कन्या
अविवाहितों को विवाह के प्रस्ताव प्राप्त होंगे किसी से भेंट भी हो सकती है। शांति से काम लीजिये भावनाओं में बहना कष्टकारक हो सकता है।आपसी सामन्जस्य बढाने के लिये जीवनसाथी के साथ घूमने जा सकते है।

7.तुला
ननिहाल के लोगों से भेट हो सकती है जिससे संबंधो में प्रगाढ़ता आयेगी। ऋण लेने की योजना फलीभूत होगी योजना के सभी पत्रक ध्यान से पढिये। पुराने रोग के उभरने की संभावना है सावधानी हटी दुर्घटना घटी।

8.वृश्चिक
बुद्धि कौशल दिखाने का अवसर प्राप्त हो सकता है यह सफलता देने वाला होगा। आपकी उपयोगिता बढेगी जिससे आपके अनुयायीयों की संख्या में वृद्धि होगी।भ्रमण एवं मनोरंजन में समय व्यतीत होगा जो मानसिक शांति देने वाला होगा ।

9.धनु
घर में कोई सदस्य बढ़ सकता है रिश्तेदार या दोस्त कोई भी हो सकता है। माता की आवश्यकताओ की पूर्ती हो जाने से माता की चिंता कम होगी।चिंता न करें भूमि भवन से संबंधित समस्या हल होगी।

10मकर
संचार माध्यम से कोई आनंद दायक सूचना मिलेगी जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आपके पराक्रम से लोग अचंभित रहेगें जो आपके लिये आनंद के क्षण होंगे।आपके लिये हरपल मदद तैयार होगी नौकर चाकरों का सहयोग अच्छा रहेगा।

11.कुंभ
मन पसंद भोजन की प्राप्ति होने की प्रबल संभावना होगी ।परिवार के लोगों से मेल मिलाप के अवसर प्राप्त होंगे जिससे आपसी सामंजस्य बढेगा। आप सत्य का साथ देंगे तो बिगड़ी बन सकती है हमेशा सत्य का ही साथ देना चाहिये।

12.मीन
ह्यमान सम्मान में वद्धि के अवसर की प्राप्ति होगी जो आपके लिये संतोष कारक होगी ।सम्मान बढेगा मनपसंद उपहार की प्राप्ति संभव है। किसी बुजुर्ग से विशेष ज्ञान प्राप्ति का अवसर मिलेगा जो आपके लिये लाभकारी सिद्ध होगा।

संपादकीय

कुत्ते को आश्रय गृह में भेजने के लिए सुप्रीम कोर्ट का आदेश

कुत्ते के काटने से दिल्ली ही नही पूरे देश मे लोगो की मौते हो रही है।लोग प्रभावित होते है।दुनियाभर में कुत्ते काटने या कुते से परेशान लोगो की संख्या लाखो में है।कोर्ट में हाल ही में फटकार लगाते हुए कहा है कि दिल्ली, नोयडा, गुरुग्राम और गाजियाबाद से आवारा कुत्तों को पकड़कर सेल्टर होम में रखा जाए।आवारा कुत्ते के काटने के मामले ज्यादा बन रहे है।एक साल में देश मे लाखो लोग शिकार होते है।कुते के काटने से बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे है।कुत्ते के काटने से मौते भी अधिक हो रही है।पिछले साल डॉग बाइट के सबसे ज्यादा केस तमिलनाडु और महाराष्ट्र में दर्ज किए गए।दिल्ली में पिछले साल 25 हजार डॉग बाइट के केस सामने आए है।महाराष्ट्र में 4 लाख 65 हजार मामले सामने आए है।यह समाज के लिए घातक है।हर राज्य में कुते के काटने की घटना बनती है। लिहाजा,कुते के काटने से रेबिज की बीमारी पैदा होती है।समय पर इलाज मिलने के बाद मरीज ठीक भी हो जाते है।लेकिन सावधानी बहुत आवश्यक है।कर्नाटक में 4 लाख 80 हजार मामले सामने आए है।इससे अंदाजा लगा सकते है कि कुते की बिरादरी मनुष्य जीवन पर कितना प्रभाव डाल रही है।सुप्रीम कोर्ट के आदेश जारी होने पर विभाग की कार्यवाई शुरू कर दी गई है।फलस्वरूप, अन्य राज्यो के लिए भी कुते के आतंक से बचाने का उपाय करना होगा।कुते के काटने से होने वाली मौतों में बच्चे,वृद्धजन और शिशुओं का आंकड़ा ज्यादा है।खासकर वृद्धजनों के लिए ज्यादा खतरा बना रहता है ।कुते के हमले पर बुजुर्ग अपना बचाव करने में सफल नही हो पाते है।बच्चे,शिशुओं और वृद्धजन भाग नही सकते है।जिससे वे ज्यादा शिकार होते है।राष्ट्रीय रेबिज नियंत्रण के जरिये सरकार का प्रयास जारी है,लेकिन इस नस्ल को कम करने के लिए नसबंदी का सही विकल्प है।सुप्रीम कोर्ट ने भी आदेश जारी कर कहां है कि कुतो की नसबंदी करा दी जाए। दरअसल,पिछले साल देश मे 37 लाख मामले दर्ज हुए।

इतनी बड़ी संख्या में कुते काटने के मामले आश्चर्य पैदा करने वाले है।सरकार की तैयारी इस बात की है कि इतने मामले आने के बाद भी 54 लोगो की ही मौत हुई है।इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि सरकार की रेबिज नियंत्रण विभाग सक्रिय है।नगरपालिका और महानगरपालिका को कुतो की नसबंदी, रेबीज,टीकाकरण और कुतो के पुनर्स्थापन की जिम्मेदारी दी गई है।इस प्रक्रिया के तहत जनसंख्या नियंत्रण और सुरक्षित बनाने के लिए कारगर है।स्वास्थ्य मंत्रालय भी इस कार्य के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है।राज्यो में मॉडल रेबिज की स्थापना करना बहुत जरूरी है।रेबिज मुक्त शहर और ऐंटी रेबिज सीरम की उपलब्धता के साथ रेबिज उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय कार्य की तरफ सरकार के प्रयास तेज होते है तो इस तरह के मामले 10 प्रतिशत पर आ सकते है।देश में कुते के काटने के आंकड़े बढ़ते जा रहे है हर साल हजारों मौते होती है।लेकिन अपने स्वबचाव के लिए लोगों में जागरूकता की कमी है।भारत ही नही विदेशो में भी कुते काटने के मामले होते है।

अमेरिका में हर साल 45 लाख लोगों को कुते काटते है।इसमें से 8 लाख 85 हजार को चिकित्सा सहायता की जरूरत होती है।तीन लाख 70 हजार लोगों को आपत्तिजनक स्थिति में देखभाल की जरूरत होती है।150 देशो में रेबिज के कारण लगभग 59 हजार लोगों की मौते होती है। वैक्सीन की उपलब्धता के कारण भारत मे 75 प्रतिशत मौते कम हो गई है।समय पर इंजेक्शन या उपचार मिलने के बाद मरीज ठीक हो जाता है।भारत रेबिज से होने वाली मौतों में अग्रणी देश है।भारत सरकार 2030 तक इसे पूरी तरह खत्म करने का लक्ष्य तय किया है।देश मे हर साल लगभग 90 हजार लोग जानवरो के काटने का शिकार बनते है,उसमे में से दो तिहाई मामले कुतो के काटने से होते है।रेबिज के इंजेक्शन लगाए जा रहे है। देश मे फ्री वैक्सीन सुविधा उपलब्ध है।गांव और शहरों में जानकारी शिविर और पोस्टर अभियान भी चलाए जा रहे है।अपने बच्चो को अकेले भेजने से कुतो के हमले बढ़ रहे है।सावधानी रखने की जरूरत है।24 घटे में रेबिज की वैक्सीन लगाना चाहिए। रेबीज सर्वेक्षण और डेटा संग्रहण को और बेहतर बनाना, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक रेबीज की दवाएं और टीके पहुंचाना सरकार का लक्ष्य है। रेबीज एक पूरी तरह से बचाव योग्य बीमारी है, और भारत सरकार का लक्ष्य इसे 2030 तक पूरी तरह खत्म करना है। 75% की कमी एक उत्साहजनक संकेत है, लेकिन अभी भी हर साल हज़ारों जानें जाती हैं। अगर समय पर टीका, जागरूकता, और जानवरों के नियंत्रण पर ज़ोर दिया जाए, तो यह लक्ष्य जरूर हासिल किया जा सकता है।

कांतिलाल मांडोत

पहाड़ की नाजुक सेहत से खिलवाड़ का नतीजा है प्रकृति का कहर

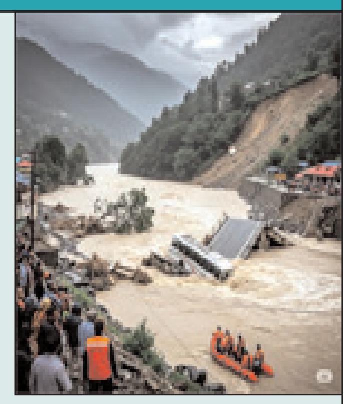

देवभूमि उत्तराखंड पर एक बार फिर से कुदरत का कहर बरपा है। मानव द्वारा निर्मित विकास की अवधारणा देश ही नहीं दुनिया भर में इंसानों जीवों के लिए महंगी साबित हो रही है। इंसानी दिमाग द्वारा प्रकृति के मनमाने उपयोग करने की मानसिकता और पर्यावरण से छेड़छाड़ के चलते प्रकृति में आ रहे बदलावों के कारण पूरी दुनिया के अलग अलग हिस्सों में विनाशकारी नतीजे सामने आ रहे हैं। हालत यह है कि आए दिन ऐसा दुनिया में कहीं न कहीं भूकंप, भारी वर्षा, बाढ़ और भूस्खलन आदि के परिणामस्वरूप तबाही हो रही है । आपको बता दें कि 30 जुलाई, 2025 को रूस में 73 वर्ष बाद 8.8 तीव्रता का भीषण भूकंप आया जो दुनिया का छठा सबसे बड़ा भूकंप था। इसके बाद 31 जुलाई, 1 अगस्त तथा 2 अगस्त को भी रूस में भूकंपों के झटके महसूस किए गए। रूस के 'कामचटका' में 600 वर्ष बाद 1856 मीटर ऊंचे 'क्रशेनिनिको ज्वालामुखी' में विस्फोट के बाद 6000 मीटर की ऊंचाई तक राख का गुबार फैल गया। इसी दौरान 1 अगस्त से 5 अगस्त के बीच पापुआ न्यू गिनी, जापान, इंडोनेशिया तथा जापान के कुरील द्वीप समूह, न्यूयार्क, पाकिस्तान, चीन, मैक्सिको, म्यांमार, अलास्का, किर्गिस्तान, ईरान, चिली, टोंगा तथा भारत के अनेक राज्यों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस बीच उत्तराखंड तथा हिमाचल प्रदेश में भी प्रकृति का प्रकोप जारी है। उत्तराखंड के 'उत्तरकाशी' जिले में 5 अगस्त को बादल फटने के कारण गंगोत्री के पहाड़ों से बहने वाली 'खीरगंगा' नदी में आई बाढ़ ने पूरे के पूरे 'धराली' गांव का अस्तित्व समाप्त कर दिया। इस में हालांकि अभी सही आंकड़े सरकार ने नहीं दिया है लेकिन भारी तादाद में जनहानि होने की संभावना है। सैकड़ों लोग लापता हैं। आपको बता दें कि मात्र 34 सैकेंड में आई इस प्रलयंकारी बाढ़ के कारण अनेक मकान और होटल पत्तों की तरह बह गए और इसमें 10 लोगों के मारे जाने तथा 11 जवानों समेत 100 से अधिक लोगों के लापता होने की खबर है।

इस आपदा के कारण धराली स्थित 1500 वर्ष पुराना 'कल्प केदार महादेव मंदिर' भी मलबे में दब गया। आपको ध्यान रहे कि 5 अगस्त मंगलवार की दोपहर को धराली, मुखवा और हर्षिल इलाकों में बादल फटने की घटनाएं हुईं। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, सिर्फ कुछ ही सेकंड में ही खीर गंगा नदी उफान पर आ गई और अपने साथ पहाड़ों से मलबा लेकर आई। तेज बहाव ने धराली का बाजार, होटल और आसपास के कई मकानों को अपनी चपेट में ले लिया। करीब 30 फीट तक मलबा जम गया है, जिससे इलाके में कई लोग फंसे हुए हैं।आपदा के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इनमें साफ देखा जा सकता है कि कैसे लोग इधर-उधर भाग रहे हैं, चीख-फुकार मची हुई है, और पानी व मलबे के बहाव से जान बचाने की कोशिश की जा रही है। कुछ लोग दूर से वीडियो बनाते हुए भी अन्य लोगों को चिल्लाकर बचने के लिए सावधान कर रहे थे। धराली के अलावा हर्षिल और सुक्की गांवों में भी बादल फटने की घटनाएं हुईं।

हर्षिल क्षेत्र में सेना की एक टुकड़ी तैनात थी, जिसमें से 8 से 10 जवानों के लापता होने की खबर है। राहत दल के मुताबिक, इस क्षेत्र में भारी मलबा जमा है और लगातार बारिश के कारण राहत कार्य में भारी दिक्कतें आ रही हैं। जहां तक हिमाचल प्रदेश का संबंध है, इस मानसून सीजन में 6 अगस्त सुबह तक फ्लैश फ्लड की 55, बादल फटने की 28 और भूस्खलन की 48 घटनाएं हो चुकी हैं। अब तक प्रदेश में 1738 मकानों को नुक्सान पहुंचा है तथा कुल 1852 करोड़ रुपए की सम्पत्ति का नुक्सान हो चुका है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्यों में पिछले कुछ वर्षों से बादल फटने, लैंडस्लाइड और अतिवृष्टि की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। जलवायु परिवर्तन और असंतुलित निर्माण कार्यों को इसकी एक बड़ी वजह माना जा रहा है। फिलहाल धराली और आसपास के क्षेत्रों में स्थिति बेहद नाजुक है। राहत कार्य जारी है, लेकिन समय के साथ ही सामने आ सकेगा कि इस भीषण हादसे में कुल कितना नुकसान हुआ है।

दरअसल संवेदनशील क्षेत्रों में पर्यावरण नियमों के विपरीत सुरंगें खोदने, सड़कें बनाने व उन्हें चौड़ी करने के लिए पहाड़ी ढलानों की कटाई आदि से भूस्खलन, जमीन धंसने, अवैध निर्माण व इमारतों के गिरने की घटनाएं हो रही हैं। 'विश्व मौसम विज्ञान संगठन' के अनुसार 20वीं सदी की शुरूआत से ही ग्लोबल वार्मिंग के कारण समुद्र के जलस्तर में हो रही वृद्धि खतरे का संकेत है। पर्यावरण में परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया में प्रकृति कहर बरपा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार अभी हाल ही में 31 जुलाई को अमरीका में तेज तूफान और भारी वर्षा से बाढ़ आ जाने के कारण 'न्यूयार्क शहर' और 'न्यूजर्सी' में एमरजैंसी घोषित कर दी गई। 31 जुलाई को ही नेपाल में मानसून जनित आपदाओं में 43 लोगों की मौत और 116 अन्य के घायल होने की जानकारी सरकार ने दी 2 अगस्त को वियतनाम के 'डिएन बिएन' प्रांत में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन से 8 लोगों की मौत तथा अनेक घायल हो गए। 4 अगस्त को 'अदन' में खराब मौसम और तेज हवाओं के कारण नदी में एक नौका पलट जाने से 68 लोगों की डूब कर मौत हो गई।

4 अगस्त को ही मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार राज्य में वर्षा से खराब होते हालात के बीच 275 लोगों की जान जा चुकी है। 5 अगस्त को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि राज्य में बाढ़ के परिणामस्वरूप 40 लोगों की मौत हो गई। 6 अगस्त को उत्तराखंड के 'पौड़ी' जिले में भूस्खलन से 2 महिलाओं की मृत्यु हो गई जबकि 'थलीसैण' में बाढ़ में 5 नेपाली मजदूर बह गए। पाकिस्तान में भारी वर्षा और अचानक आई बाढ़ के परिणामस्वरूप 234 से अधिक लोगों की मृत्यु होने का समाचार है। शायद ऐसे घटनाक्रमों से प्रकृति समूचे विश्व को चेतावनी दे रही है कि अब भी संभल जाओ और मुझसे छेड़छाड़ करना बंद कर दो, वर्ना तुम्हें वर्तमान से भी अधिक विनाशलीला देखने को मिलेगी। यहां यह भी जान लीजिए कि 2023 और 2024 में उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में दर्जनों बादल फटने की घटनाएं हुई जिनमें सैकड़ों लोगों की जानें गई और अरबों की संपत्ति नष्ट हुई। इसी साल 20 जून से 6 जुलाई तक हिमाचल प्रदेश में 19 बादल फटने की घटनाएं दर्ज की गई, जिससे 78 लोगों की मौत हुई। मंडी जिला सबसे अधिक प्रभावित रहा। 26 जून को कांगड़ा में बादल फटने से पांच लोगों की मौत हुई। कुलू के बंजर, गड्सा, मणिकरण और सैंज क्षेत्रों में चार बादल फटने की घटनाएं हुईं।

1 जुलाई को मंडी के करसोग, धर्मपुर, मंडी सदर, नाचन, और सराज क्षेत्रों में बादल फटने से भारी नुकसान हुआ। इस साल 20 अप्रैल 2025 को रामबन तहसील में बादल फटने से तीन लोगों की मौत हुई और 100 से अधिक लोग लोगों को बचाया गया। यदि हम अभी भी नही चेते तो परिणाम और अधिक भयावह हो सकता है हमें समय रहते प्रकृति की संवेदनशीलता को समझने की जरूरत है। सरकार को पहाड़ पर पर्यटन उद्योग को एक मात्र राजस्व और विकास का माध्यम नहीं मानना चाहिए और कुछ अन्य साधन विकसित करने चाहिए। पहाड़ पर पर्यटन खतरनाक है।

मनोज कुमार अग्रवाल

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। नोटः-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

बीडीओ ने ब्लाक मुख्यालय से निकाली तिरंगा रैली

बीकेटी। ब्लॉक मुख्यालय पर मंगलवार को हर घर तिरंगा अभियान के तहत बीडीओ पूजा पांडे ने ब्लॉक कर्मियों के साथ तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सहित ब्लॉक के अधिकारी कर्मचारी भी शामिल हुए। इस दौरान 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा' झंडा ऊंचा रहे हमारा के साथ भारत माता की जय के नारे लगाए गए। यह रैली ब्लॉक मुख्यालय से पैदल चलकर राज्य ग्राम्य विकास संस्थान तक निकाली गई। इस दौरान बड़ी संख्या में ब्लॉक के अधिकारी कर्मचारी भी मौजूद नजर आए। बीडीओ पूजा पांडे ने इस रैली का काम आमजन में देशभक्ति की भावना को प्रबल करना और हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन तक पहुंचाना। नागरिकों से 13 से 15 अगस्त तक अपने घरों पर तिरंगा फहराने का आग्रह किया गया। इस मौके पर एडीओ पंचायत विवेक शुक्ला, सचिव संघ अध्यक्ष आलोक चौधरी, सचिव अभिलाष कश्यप, देवेंद्र सिंह, अंकित पटेल, पवन वर्मा, शैलेंद्र वर्मा, संजय सिंह,अनामिका सिंह, राजेंद्र कुमार ,अश्वनी द्विवेदी, शकुंतला शुक्ला, अन्नू मिश्रा, सहित तमाम सचिव उपस्थित रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय की नई पहल: सीतापुर में तीन नए कॉलेज

लखनऊ विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद ने लखनऊ, रैयबरेली, सीतापुर और हरदोई में छह नए डिग्री कॉलेज खोलने का निर्णय लिया है—जिसमें सीतापुर में तीन कॉलेज शामिल हैं। साथ ही, 38 कॉलेजों को नई पाठ्यक्रम मान्यता और शिक्षक उन्नयन की मंजूरी भी दी गई है। यह कदम उच्च शिक्षा अवसर बढ़ाने की दिशा में उठाया गया है।

इस माह नहीं मिलेगा उचित दर की दुकानों से राशन

लखनऊ। अगस्त माह में उचित दर की दुकानों से राशन वितरण नहीं होगा, क्योंकि अगस्त का राशन जुलाई माह में ही बांट दिया गया था। जानकारी के अभाव में कई कार्डधारक लगातार राशन दुकानों के चक्कर काट रहे हैं और फोन पर कोटेदारों से राशन मिलने की तारीख पूछ रहे हैं। कोटेदारों के अनुसार, कार्डधारकों को यह समझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है कि इस माह राशन वितरण पहले ही पूरा हो चुका है। जिला आपूर्ति अधिकारी विजय प्रताप सिंह ने बताया कि 31 जुलाई तक अधिकांश कार्डधारकों को राशन वितरित कर दिया गया था। अगस्त में उचित दर राशन दुकानों से किसी भी कार्डधारक को राशन नहीं मिलेगा। दरअसल, कई कार्डधारक मान रहे थे कि अब महीने में दो बार राशन मिलेगा, जिसके चलते 10 अगस्त के बाद भी वे दुकानों पर जानकारी लेने पहुंच रहे हैं।

सूचना

मैं मो0 अबुज़र नौमान खान पुत्र श्री हफीजुर रहमान खान निवासी मोश मिरदही टोला तहसील व जिला सीतापुर का हूं मेरे पासपोर्ट संख्या पी2745342 पर मेरे पिता का नाम मोह हफीजुर रहमान खान दर्ज हो गया है जो गलत है जबकि मेरे पिता का सही नाम हफीजुर रहमान खान है मुझे मोह अबुज़र नौमान खान पुत्र हफीजुर रहमान खान (HAFIZUR RAHMAN KHAN) के नाम से जाना व पहचाना जाएं।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता कि मेरा नाम जाबिर अली आयु लगभग 47 वर्ष पुत्र श्री मो0 सिद्दीक निवासी -म0नं0-544/2856, निकट शिवम् भद्रा, गुलशन विहार, बालागंज, सआदतगंज, चौक, जनपद-लखनऊ, उ0प्र0, का निवासी हूँ आकिब पुत्र श्री जाबिर अली व पुत्रवधु श्रीमती इसरा पत्नी मो0 आकिब निवासीगण म0नं0-544/61, गुलशन विहार, शिवम भद्रा, हरी मजार, लखनऊ का व्यवहार मेरे व मेरे परिवार के विरूद्ध काफी दयनीय है तथा उनका चाल-चलन भी ठीक नहीं है जिससे मुझे काफी परेशानी है। मै अपने पुत्र आकिब व पुत्रवधु श्रीमती इसरा के गलत चाल-चलन के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से हमेशा-हमेशा के लिए बेदखल कर रहा हूँ। अब मेरे पुत्र आकिब व पुत्रवधु श्रीमती इसरा द्वारा की गयी गलत हरकतों, विधि विरूद्ध कार्य व किसी प्रकार के लेन-देन से शपथी व उसके परिवार से कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। उनके गलत चाल-चलन व व्यवहार अथवा विधि विरूद्ध कार्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे।

किसानों की खाद-यूरिया किल्लत पर नाराज़गी चरम पर

स्वतंत्र प्रभात

रिपोर्टर सचिन बाजपेई

तंबौर सीतापुर इलाके सहित आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। सबसे गंभीर समस्या खाद और यूरिया की भारी कमी की है, जिसके चलते किसान दर-दर भटकने को मजबूर हैं। हालात इतने खराब हैं कि कई किसानों को पुलिस की लाठियां भी झेलनी पड़ीं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें खाद-यूरिया नहीं मिल पा रहा है। स्थानीय किसानों का कहना है कि समय पर खाद, यूरिया और बीज उपलब्ध न होना खेती के लिए सबसे बड़ी बाधा बन चुका है। "सरकार दावा करती है कि किसानों की आय दोगुनी हो गई है, लेकिन असलियत यह है कि खेती करना दिन-ब-दिन महंगा और मुश्किल होता जा रहा है," किसानों ने आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि खाद-यूरिया महंगे दामों में भी उपलब्ध नहीं है, जबकि बिजली संकट अलग से परेशान कर रहा है। किसानों के मुताबिक, सरकारी गोदामों में खाद-यूरिया की आपूर्ति बेहद सीमित है और अधिकतर माल सरकारी एजेंटों के पास डंप है, जो किसानों की मजबूरी का फायदा उठाकर ऊंचे दाम वसूल रहे हैं।

किसानों ने यह भी कहा कि पहले यूरिया की बोरी पर केवल कंपनी का लोगो होता था, लेकिन अब राजनीतिक नेताओं की तस्वीरें छपने के बाद से ही किल्लत और बढ़ी है। उनकी पीड़ा है कि उनकी मेहनत की फसल कोई भी बिना रोक-टोक ले सकता है—गन्ना, सब्जी या अनाज—लेकिन यदि कोई दुकान से माचिस या टॉफी उठाए तो तुरंत चोरी का केस दर्ज हो जाता है। ग्रामीण किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही खाद-यूरिया की आपूर्ति बहाल नहीं हुई और बिजली की समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे बड़े आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। उनका कहना है कि "किसान नाराज़ हुआ तो सत्ता की कुर्सी हिलना तय है।"

आजादी का अमृत महोत्सव- हर घर तिरंगा "अभियान में उमंग और देशभक्ति"

सीतापुर। आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत "हर घर तिरंगा" अभियान को लेकर जनपद में उत्साह चरम पर है। 13 से 15 अगस्त तक चलने वाले इस विशेष अभियान में प्रशासन, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में तिरंगा जागरूकता रैलियाँ, झंडा वितरण कार्यक्रम और देशभक्ति गीतों का आयोजन किया जा रहा है। स्कूल-कॉलेजों में विद्यार्थियों को तिरंगे का महत्व समझाया जा रहा है और उन्हें घर-घर तिरंगा लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य देश के प्रति प्रेम और एकता की भावना को जन-जन तक पहुँचाना है। उन्होंने लोगों से अपील की कि तिरंगे को सम्मानपूर्वक फहराएं और झंडा संहिता के नियमों का पालन करें। शहर और गाँव के घर, दुकानें और सरकारी भवन तिरंगे की शोभा से सजे नज़र आ रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर पूरा जनपद देशभक्ति के रंग में रंगा दिखाई देगा।

निगोहां प्रेस क्लब के नवगठित संगठन को सपा नेताओं ने दी बधाई

स्वतंत्र प्रभात

निगोहां। लखनऊ, निगोहां क्षेत्र में नवगठित निगोहां प्रेस क्लब के पत्रकारों को बधाई देने मंगलवार को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का आगमन हुआ। इस मौके पर सपा के प्रदेश सचिव वीरबहादुर सिंह, प्रदेश महासचिव अमरपाल सिंह तथा वरिष्ठ संवाददाता जय शुक्ला विशेष अतिथि के रूप में पहुंचे।कार्यक्रम की शुरुआत प्रेस क्लब के पदाधिकारियों व सदस्यों द्वारा अतिथियों के गर्मजोशी से स्वागत से हुई। नेताओं का स्वागत पुष्पमालाओं और अंगवस्त्र पहनाकर किया गया। इस दौरान सपा नेताओं ने कहा कि पत्रकार समाज का दर्पण होते हैं और लोकतंत्र की मजबूती में उनकी अहम भूमिका है। ऐसे संगठनों का गठन न केवल पत्रकारों को संगठित करता है, बल्कि निष्पक्ष व निर्भीक पत्रकारिता को भी प्रोत्साहित करता है।प्रदेश उपाध्यक्ष वीरबहादुर सिंह ने कहा कि पत्रकार समाज की आवाज को निडरता के साथ शासन-प्रशासन तक पहुंचाते हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा और सम्मान सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। वहीं, महासचिव अमरपाल सिंह ने प्रेस क्लब के गठन को क्षेत्र के लिए सकारात्मक पहल बताया और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।इस अवसर पर मोहनलालगंज, निगोहां और नगराम क्षेत्र के दर्जनों पत्रकार मौजूद रहे, जिनमें प्रबंधक मुकेश द्विवेदी, अध्यक्ष विमल सिंह, महामंत्री प्रदीप द्विवेदी, उपाध्यक्ष मुकेश मिश्रा सहित दो दर्जन से अधिक पत्रकार बंधु शामिल थे। सभी ने प्रेस क्लब की एकजुटता की सराहना की और लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लिया।कार्यक्रम के अंत में प्रेस क्लब के पदाधिकारियों ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया और संगठन की मजबूती के लिए सभी से सहयोग की अपील की।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत मोहनलालगंज में निकाली गई तिरंगा रैली

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज, लखनऊ। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत "हर घर तिरंगा अभियान-2025" को जन-जन तक पहुंचाने और राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रबल करने के उद्देश्य से मंगलवार को चतुर्थ वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, मोहनलालगंज, लखनऊ द्वारा भव्य तिरंगा मोटरसाइकिल/साइकिल रैली का आयोजन किया गया। कार्यवाहक कमांडेंट विजय कुमार इस्सर के दिशा-निर्देशन में निकाली गई इस रैली में नवीन पब्लिक स्कूल, मोहनलालगंज के शिक्षक-शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं, युवाओं, स्थानीय नागरिकों, मीडिया प्रतिनिधियों, पुलिस प्रशासन और सशस्त्र सीमा बल के जवानों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।रैली की शुरुआत नवीन पब्लिक स्कूल परिसर से हुई, जो मोहनलालगंज बाजार रोड होते हुए कानपुर वाईपास फुलवरिया मोड़ तक पहुंची और पुनः विद्यालय परिसर में आकर संपन्न हुई। पूरे मार्ग में प्रतिभागियों ने हाथों में तिरंगा लहराते हुए "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम" के नारे लगाए, जिससे पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया।विद्यालय के प्रधानाचार्य कर्णिनेश चन्द्र मिश्र ने कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं और बच्चों के मन में तिरंगे और राष्ट्र के प्रति सम्मान की भावना को प्रबल करते हैं। सशस्त्र सीमा बल के अधिकारियों ने बताया कि गृह मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशानुसार "हर घर तिरंगा" थीम के तहत प्रतिवर्ष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनका उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति जागरूकता और सम्मान को बढ़ाना है।रैली के माध्यम से स्थानीय लोगों से अपील की गई कि वे अपने घरों पर तिरंगा फहराकर राष्ट्रीय एकता और अखंडता को सशक्त बनाएं तथा आने वाली पीढ़ियों को इसके महत्व से अवगत कराएं।

भौंदरी गांव में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, देशभक्ति के रंग में रंगा माहौल

● ......हर घर तिरंगा अभियान और आज़ादी के अमृत महोत्सव के तहत प्रधान संघ अध्यक्ष व विद्यालय शिक्षक की अगुवाई में निकाली गई यात्रा, छात्रों व ग्रामीणों की उत्साही भागीदारी।

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। आज़ादी के अमृत महोत्सव और हर घर तिरंगा अभियान के तहत मोहनलालगंज क्षेत्र के भौंदरी गांव में मंगलवार को भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया, जिसने पूरे गांव को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। इस अवसर पर मोहनलालगंज प्रधान संघ अध्यक्ष देवेंद्र कुमार सिंह व भौंदरी प्राथमिक विद्यालय के अध्यापक के नेतृत्व में यात्रा निकाली गई। तिरंगे हाथों में लिए विद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ ग्रामीण बड़ी संख्या में यात्रा में शामिल हुए और "भारत माता की जय" तथा "वंदे मातरम" जैसे गगनभेदी नारों से वातावरण को गूंजायमान कर दिया। तिरंगा यात्रा गांव की गलियों और मुख्य सड़कों से होती हुई भौंदरी प्राथमिक विद्यालय परिसर में पहुँची, जहाँ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस दौरान गांव का हर कोना तिरंगे की शान और आज़ादी के 75 वर्षों की गौरवगाथा से सराबोर नजर आया।

लखनऊ में पहला स्क्रैप सेंटर शुरू, पुराने वाहन बेचने को मिलेगी राहत

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी वासियों के लिए अब 15 साल पुराने वाहन का निस्तारण आसान हो गया है। मंगलवार को सरोजनीनगर के ग्राम पहाड़पुर, कानपुर रोड स्थित पी एस इंटरप्राइजेज लिमिटेड वाहन स्क्रैप सेंटर का उद्घाटन परिवहन राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह ने किया।मंत्री ने बताया कि प्रदेश को स्क्रैपिंग हब बनाने की दिशा में तेजी से काम चल रहा है। यह सेंटर पूरी तरह डिजिटलीकृत है, जहां पुराने वाहन को स्क्रैप करने की प्रक्रिया पारदर्शी और त्वरित होगी।उद्घाटन के मौके पर शहर के सैकड़ों व्यापारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में मंत्री का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया और स्क्रैप पॉलिसी के फायदे विस्तार से बताए गए।अब पुराने वाहन को बेचने के लिए इधर-उधर चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। वाहन मालिक सीधे स्क्रैप सेंटर पर आकर सभी औपचारिकताएं पूरी कर सकते हैं और प्रमाणपत्र भी यहीं प्राप्त कर सकते हैं। स्क्रैप पॉलिसी के तहत पुराने दुपहिया वाहन के बदले नया वाहन खरीदने पर ?15,000 तक का लाभ मिलेगा। इसमें ?5,000 डीलर्स डिस्काउंट, ?4,000 टैक्स में छूट, 300 रजिस्ट्रेशन फीस की बचत और 4,000 स्क्रैप वाहन की कीमत शामिल है।10 लाख कीमत की कार खरीदने और पुरानी कार को स्क्रैप करने पर 1 लाख तक का फायदा होगा। इसमें ?50,000 डीलर्स डिस्काउंट, 25,000 रोड टैक्स में छूट, 1,500 रजिस्ट्रेशन फीस की बचत और 25,000 स्क्रैप कार की कीमत शामिल है। मंत्री ने कहा कि स्क्रैप पॉलिसी से जहां वाहन मालिकों को फायदा होगा, वहीं पुराने व प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को हटाकर पर्यावरण को भी सुरक्षित बनाया जा सकेगा।

ई-केवाईसी न कराने वाले राशनकार्ड धारकों का खाद्यान्न तीन माह तक निलंबित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन ने निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि जिन राशनकार्ड धारकों ने अब तक ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी नहीं की है, उनका खाद्यान्न वितरण अगले तीन माह के लिए निलंबित कर दिया जाएगा। इस आदेश में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को छोड़कर सभी लाभार्थी शामिल होंगे।

खाद्य एवं रसद विभाग के पत्र के अनुसार, संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि ऐसे सभी कार्डधारकों को तत्काल ई-केवाईसी कराने के लिए सूचित किया जाए। जो लाभार्थी आगामी तीन माह के भीतर ई-केवाईसी नहीं कराएंगे, उनके राशनकार्ड रद्द कर दिए जाएंगे। इसके अलावा, जिन राशनकार्ड धारकों ने समयावधि में ई-केवाईसी करा लिया है, उन्हें पुनः खाद्यान्न वितरण सूची में शामिल कर दिया जाएगा। शासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि नए यूनिट जोड़ने से पहले ई-केवाईसी कराना अनिवार्य होगा। यह कदम पारदर्शिता और पात्र लाभार्थियों को सही समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उठाया गया है।

रेलवे क्रॉसिंग के दोनों तरफ सड़क पर बने गड्ढों से हादसे का डर

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के बछरावां रोड और रायबरेली रोड स्थित रेलवे क्रॉसिंग के गेट संख्या 71बी व 72बी के दोनों ओर सड़क की हालत बद से बदतर हो चुकी है। बड़े बड़े गड्ढों ने राहगीरों और वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हालत यह है कि इन गड्ढों में आए दिन ई-रिक्शा, चौपहिया और दोपहिया वाहन फंसकर पलट जाते हैं। धीमी गति से गुजरते वाहनों के कारण यहां अक्सर जाम लग जाता है, जिसका असर पूरे नगर में दिखाई देता है। नगर निवासी राणा प्रताप गुप्ता बताते हैं कि सड़क पूरी तरह टूट चुकी है और गड्ढों में फंसने से वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। वहीं सचिन रस्तोगी का कहना है कि गड्ढों में फंसने से वाहनों के चेंबर और बॉडी नीचे घिस जाती है, जिससे आर्थिक नुकसान हो रहा है। व्यवसायी रूपेश का कहना है कि सड़क पर पहले से बने ऊंचे ब्रेकर और इन गड्ढों के कारण वाहन चलाना और कठिन हो जाता है। खासकर दोपहिया वाहन चालक अक्सर फिसलकर घायल हो जाते हैं। अजय बाबू पांडेय ने चिंता जताते हुए कहा कि बरसात में ये गड्ढे और खतरनाक हो जाते हैं, क्योंकि इनमें पानी भर जाने से गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता और दुर्घटनाएं बढ़ जाती हैं। देशदीपक सोनी का कहना है कि अक्सर ट्रेनों के आवागमन के दौरान रेलवे फाटक बंद हो जाता है जिसके बाद आगे निकलने की आपाधापी में वाहन इन गड्ढों में फंस जाते हैं, जिससे देर तक जाम लग जाता है। जाम में घंटों फंसे रहना पड़ता है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि इन गड्ढों की तत्काल मरम्मत कराई जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके और हादसों और जाम की समस्या से निजात मिल सके।

भव्य तिरंगा यात्रा वरिष्ठ भाजपा नेता हंसराज की अगुवाई में हुई आयोजित

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और भाजपा नेतृत्व के निर्देशानुसार स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में "हर घर तिरंगा" अभियान के तहत पूरे उत्तर प्रदेश में तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी के नेतृत्व में सभी विधानसभा क्षेत्रों और मंडलों में निकाली जा रही इन यात्राओं का उद्देश्य जन-जन में राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार करना है।इसी क्रम में मंगलवार को विधानसभा मोहनलालगंज के मंडल मोहनलालगंज में वरिष्ठ भाजपा नेता हंसराज के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का शुभारंभ शांति चिकित्सालय से हुआ और यह उत्साह एवं जोश के साथ कारे वीर बाबा मंदिर परिसर में संपन्न हुई।यात्रा में शामिल कार्यकर्ताओं के हाथों में लहराते तिरंगे और गूंजते देशभक्ति के नारों ने पूरे क्षेत्र को देशप्रेम के रंग में रंग दिया। इस अवसर पर उपस्थित भाजपा नेताओं ने कहा कि "तिरंगा भारत की समृद्धि, सामर्थ्य और सम्मान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 'हर घर तिरंगा' अभियान के माध्यम से भाजपा राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुँचा रही है।

नेताओं ने अपने संबोधन में ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने हाल ही में अपने शौर्य और सामर्थ्य का प्रदर्शन पूरी दुनिया के सामने किया है, जो भारतीय सेना के अदम्य साहस और 140 करोड़ देशवासियों के समर्थन से संभव हुआ है। आज देश प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए एकजुट है, और तिरंगा यात्रा इसी एकता और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस अब सिर्फ सरकारी कार्यक्रम नहीं रह गए हैं, बल्कि आम जनमानस के उत्सव बन गए हैं। आज देश के हर घर पर तिरंगा लहराता है और लोग पूरे उत्साह व उमंग के साथ इन राष्ट्रीय पर्वों को मनाते हैं। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष श्री चक्रवीर सिंह बेटू, मीडिया प्रभारी श्री अशोक तिवारी, श्रीमती संगीता रावत, मंडल महामंत्री अंकुर अवस्थी, संकट मोचन, उत्तम रावत, मनोज रावत, रामचंद्र धीमान, सुंदरलाल धीमान, आशुतोष शुक्ला सहित हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। यात्रा में उमड़े जनसैलाब ने इसे ऐतिहासिक और यादगार बना दिया।

नगराम में भूमि विवाद को लेकर हुई बड़ी धोखाधड़ी, लाखों की रकम हड़पने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात

नगराम। लखनऊ। नगराम थाना क्षेत्र में एक जमीन को लेकर विवाद ने गंभीर रूप ले लिया है। पीड़ित अफ्फान पुत्र स्वर्गीय मो. अफजल निवासी ब्राह्मण टोला, टाऊन एरिया, नगराम लखनऊ ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि उनकी पुश्तैनी जमीन गाटा संख्या 622 को बिना जानकारी व अनुमति के बदलकर गाटा संख्या 722 कर दिया गया और उसके बाद धोखाधड़ी कर तीसरे व्यक्ति के नाम कर दी गई।पीड़ित ने बताया कि गाटा संख्या 622 के राजस्व अभिलेख में उनका नाम दर्ज था, लेकिन बाद में गाटा संख्या में हेर फेर कर इसे 722 कर दिया गया। आरोप है कि उक्त भूमि को आरोपी राकेश कुमार पुत्र रामचंद्र निवासी दुल्हापुर, हुसैनाबाद जनपद, बाराबंकी के पक्ष में बैनामा कर दिया गया। राकेश कुमार ने बाद में गाटा संख्या 1567क की भूमि पर कब्जा कर वहां बाउंड्रीवाल और दरवाजा लगाकर अपने भाई विवेक कुमार के नाम पर बिक्री कर दी।

पीड़ित का आरोप है कि राकेश कुमार ने भूमि पर अवैध निर्माण शुरू कर दिया और सौदे के नाम पर उनसे ग्यारह लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई। विवादित भूमि को लेकर पीड़ित व आरोपी के बीच आपसी समझौता हुआ था, लेकिन बाद में आरोपी ने समझौते की शर्तों का पालन नहीं किया।पीड़ित के अनुसार, उन्होंने मामले की शिकायत थाने में दी, लेकिन आरोपियों ने मिलकर जबरन ताला तोड़कर भूमि पर निर्माण कार्य जारी रखा। इस घटना में मोहित मिश्रा नाम के व्यक्ति पर भी शामिल होने का आरोप है। वहीं नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी ने बताया कि पीड़ित अफफान की तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित ने पुलिस प्रशासन से न्याय की गुहार लगाते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

निगोहां में तिरंगा रैली में देशभक्ति के नारों से गूंजा माहौल

निगोहां। लखनऊ, आजादी के अमृत महोत्सव एवं "हर घर तिरंगा" अभियान के तहत मंगलवार को निगोहां में तिरंगा रैली का भव्य आयोजन किया गया। रैली की अगुवाई निगोहां मंडल अध्यक्ष ललित सिंह ने की।रैली निगोहां स्थित मंडल कार्यालय से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न मार्गो से होते हुए नगराम मोड़ पर पहुँची, जहाँ इसका समापन हुआ। इस अवसर पर महामंत्री नवीन मिश्रा, व्यापार मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र दीक्षित, दीनू बाजपेयी, अमन सिंह चौहान, विनोद वर्मा, गुड्डन सोनी सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे। सभी प्रतिभागी हाथों में तिरंगा लेकर राष्ट्रभक्ति के नारों के साथ आगे बढ़ रहे थे। पूरे मार्ग में स्थानीय लोगों ने रैली का स्वागत किया और "हर घर तिरंगा" अभियान का समर्थन किया।मंडल अध्यक्ष ललित सिंह ने कहा कि इस रैली का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रबल करना और हर घर पर तिरंगा फहराने के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना है।

नपं शोहरतगढ़ में निकाली गई तिरंगा यात्रा

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ अध्यक्ष उमा अग्रवाल की अध्यक्षता में मंगलवार को दोपहर तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा में शामिल मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान रहें, उन्होंने कहा कि भारत का गौरव व अभिमान है तिरंगा, देश के वीर जवानों ने अपना सब कुछ न्यौछावर कर तिरंगा के लिए कुर्बान हो गये थे। नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल ने कहा कि तिरंगा में 140 करोड़ देशवासियों का दिल धड़कता है।आज भारत देश हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर होता जा रहा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ संकल्प व सोच से भारत हर कार्यक्षेत्र में खुद उत्पादन व निर्माण करता जा रहा है। एक दिन ऐसा आएगा जब भारत की बनी वस्तुओं पर विदेशी आत्मनिर्भर होंगे। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने कहा कि आज पूरा देश तिरंगा उत्सव मना रहा है। तिरंगा यात्रा आदर्श नगर पंचायत कार्यालय शोहरतगढ़ से निकलकर भारत माता चौक शहीद बुधई स्मारक,पुलिस बूथ से श्रीराम जानकी मंदिर होते हुए गड़ाकुल तिरंगा चौक पहुंचा।तिरंगा यात्रा में शामिल सभी ने वीर जवानों को नमन किया।कार्यक्रम के संयोजक अजय उपाध्याय रहें।

इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान,नपं अध्यक्ष उमा अग्रवाल,ईओ सचिन कुमार, अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल,विपिन सिंह,अजय उपाध्याय, रमेश मणि त्रिपाठी, संजय कौशल, अजय वर्मा, गौरव कसौधन, मनीष श्रीवास्तव, विकास त्रिपाठी, दिनेश यादव, विवेक यादव, हरिओम, राम उजागिर तिवारी, कृष्णपाल चौधरी, राममिलन चौधरी, भोला अग्रहरि, जितेन्द्र नाथ पाण्डेय, चंद्र प्रकाश उर्फ चिन्टू, अशोक दूबे, पिंकूत्रिपाठी, त्रिपाठी, सभासद राजकुमार मोदनवाल, वकील खां, बब्लू गौड़, दिनेश कुमार, सतीशकुमारवर्मा, मनोजकुमार, दिनेशकुमार, हरिओम, बाबूलाल यादव, अनूप कसौधन, बाबू जी अंसारी, बी डी कसौधन, दुर्गा प्रसाद त्रिपाठी, रवि श्रीवास्तव आदि लोग मौजूद रहें।

अनियंत्रित ट्रक बर्तन की दुकान में घुसा, दुकान एवं घर व कार तथा स्कूटी क्षतिग्रस्त

सिद्धार्थनगर। मोहाना थाना क्षेत्र के बर्डपुर मुख्य मार्ग एनएच 233 मोड़ पर मंगलवार की सुबह एक ट्रक अनियंत्रित होकर मोड़ पर ही एक बर्तन की दुकान में घुस गई जिससे दुकान में रखा सामान, दुकान एवं घर व घर के पास खड़ी कार तथा स्कूटी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह लगभग साढ़े 4 बजे के आसपास मोहाना की तरफ से आ रही ट्रक बर्डपुर चौराहे पर पहुचते ही मोड़ पर खड़ी टैक्सियों के वजह से ट्रक खतरनाक मोड़ पर मुड़ नहीं पाया और अनियन्त्रित होकर दूसरी पटरी पर जाकर सीधे बर्तन के दुकान में घुस गई जिससे दुकानदार का लाखो का सामान छतिग्रस्त हो गया और सेवा निवृत्त शिक्षक विश्वम्भर नाथ पाण्डेय के मकान भी छतिग्रस्त हो तथा उनकी छत, दीवाल, शटर, चैनल गेट, बीम, शटर, कार एवं स्कूटी भी छतिग्रस्त हो गयी है जिससे उनका भी लाखों का नुकसान हुआ है। उक्त मामले में विश्वम्भर नाथ पाण्डेय ने मोहाना थाना पर सूचना देकर कार्यवाही किये जाने की मांग की है। इस सम्बन्ध में थानाध्यक्ष रोहित कुमार उपाध्याय ने बताया कि सूचना पर ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है, तहरीर मिलने पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

पुस्तकों को अपना मित्र बनाएं जीवन बदल जाएगा: शारदा

मथुरा। राजकीय जिला पुस्तकालय मथुरा एवं वृन्दावन शोध संस्थान, वृन्दावन के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस के अवसर पर मंगलवार को विद्यार्थी विद्यालय और पुस्तकालय विषय पर वार्ता का आयोजन हुआ। वार्ताकार डा.ब्रजभूषण चतुर्वेदी एवं कार्यक्रम अध्यक्ष राजेश कुमार तथा कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि माध्यमिक जिला समंवयक श्याम सुन्दर शर्मा रहे। कार्यक्रम संयोजिका पुस्तकालयाध्यक्ष शारदा मिश्रा ने कहा कि यदि विद्यार्थी पुस्तकों को अपना मित्र बना लें तो उनका जीवन ही बदल जाएगा। उनको अपने जीवन में सफलता ही मिलेगी। वृन्दावन शोध संस्थान से ममता गौतम ने सभी के लिए आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापन किया।शोध संस्थान वृन्दावन से श्रीमती रेखा ने कार्यक्रम का पवन कुमार अवस्थी के साथ संचालन किया। कार्यक्रम में आचार्य निर्मल , डॉ.करुणेश उपाध्याय, विजय कुमार शर्मा जिलाध्यक्ष माध्यमिक, शशांक शर्मा कनिष्ठ लिपिक, धर्मपाल, विवेक धीमान, देवेन्द्र पाल सिंह, राहुल सिंह, सिंधिया बाजपेई, अंकुश तिवारी, आदर्श तिवारी, लक्ष्य शर्मा, संजय रावत, कार्तिक, गौरी, स्नेहा, दिशा, सचिन, योगेन्द्र आदि उपस्थित रहे।

पूर्व जनपद न्यायाधीश को दी श्रद्धांजलि

शोक सभा का आयोजन कर दिवंगत जनपद न्यायाधीश को न्यायिक परिवार, मथुरा द्वारा दी गई श्रद्धांजली'

मथुरा। पूर्व जनपद न्यायाधीश मथुरा तथा वर्तमान जनपद न्यायाधीश गाजियाबाद आशीष गर्ग के आकस्मिक निधन पर केंद्रीय कक्ष, जनपद न्यायालय, मथुरा में शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा की अध्यक्षता जनपद न्यायाधीश मथुरा विकास कुमार द्वारा की गई। शोक सभा में न्यायिक अधिकारीगण व कर्मचारीगण द्वारा दिवंगत जनपद न्यायाधीश आशीष गर्ग की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की गई कि वे पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और शक्ति प्रदान करें। श्री आशीष गर्ग का यूं अचानक चले जाना हम सभी के लिए अत्यंत पीड़ादायक है। उनका सरल, स्नेहमय एवं प्रेरणादायी व्यक्तित्व सदैव हमें मार्गदर्शन देता रहा। उनके योगदान, सेवा, मिलनसार, अत्यंत ही मृदुल स्वभाव और स्नेह को हम कभी भुला नहीं पाएंगे। यह न केवल न्यायिक जगत के लिए, अपितु समाज के लिए भी एक अपूरणीय क्षति है। उनकी न्यायप्रियता, सरलता एवं कर्तव्यनिष्ठा सदैव हमें स्मरणीय रहेगी। आयोजित शोक सभा में जनपद मथुरा के समस्त न्यायिक अधिकारीगण, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सिद्धार्थनगर में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में शव पेड़ की से लटकता हुआ मिला

मृतक के पिता ने हत्या का लगाया आरोप

सिद्धार्थनगर। चिल्हिया थाना के क्षेत्र ग्राम पंचायत धेन्सा में सोमवार की रात एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में शव पेड़ की डाल से लटकता हुआ मिला पास में युवक की मोटरसाइकिल भी खड़ी थी।फॉरेंसिक टीम ने जांच कर साक्ष्य एकत्र किया। चिल्हिया पुलिस ने शव का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चिल्हिया थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत धेन्सा निवासी विजय कुमार उर्फ सूरज(20) पुत्र सुकई सोमवार की रात भोजन कर रहा था कि इसी दौरान किसी का उसके मोबाइल पर फोन आया वह भोजन करने के बाद घर से बाइक लेकर निकल गया।रात में जब वह नहीं आया तो स्वजन काफी चिंतित हो गए।गांव वालों ने मंगलवार की सुबह गांव के पास स्थित पोखरे के पास एक पेड़ की डाल से एक शव लटकता हुआ दिखाई दिया।इतने में वहां काफी भीड़ इकठ्ठा हो गई।लोगों ने मृतक युवक के स्वजन को सूचना दी सूचना पाकर मृतक के स्वजन भी घटनास्थल पर पहुंचकर दहाड़ मारकर रोने लगे। मृतक युवक का शव घुटने के बल नीचे रखें बालू में झुका हुआ था।पुलिस ने डाल से शव को उतार कर पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के पिता सुकई ने हत्या का आरोप लगाते हुए कहा कि मेरे बेटे की गला दबाकर हत्या की गई है और शव को पेड़ से लटका दिया गया है।शरीर पर चोट के निशान व खून के धब्बे भी मौजूद है। इस संबंध में चिल्हिया थाना प्रभारी रामदेव ने बताया कि 20 वर्षीय युवक की पेड़ से लटकता हुआ शव मिला है।शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फॉरेंसिक टीम हर पहलुओं की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।मृतक के मोबाइल को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई में पुलिस जुट गई है।

दिल्ली का पालम विधानसभा स्थित मधु विहार 'सीवर नरक' में तब्दील

● बुजुर्ग एवं बीमारों की सांसें थम रहीं, बच्चे गंदगी में डूबकर स्कूल जाने को मजबूर

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली- पालम विधानसभा के मधु विहार वार्ड में सीवर का बदबूदार और जहरीला पानी गलियों और घरों में भरकर लोगों का जीना दूभर कर चुका है। दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारी महीनों से शिकायतें सुनकर भी पथराई आंखों से मूकदर्शक बने बैठे हैं।स्थानीय आरडब्ल्यूए प्रधान एवं फेडरेशन ऑफ साउथ एंड वेस्ट डिस्ट्रिक्ट वेलफेयर फोरम के चेयरमैन रणबीर सिंह सोलंकी का कहना है– यह अब महज़ गंदगी नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही से जन्मा मौत का कुआं है। मैंने जल बोर्ड के CEOऔर मुख्य अभियंता तक लिखित शिकायतें भेजीं, लेकिन हालात दिन-प्रतिदिन बिगड़ रहे हैं।गली नंबर 3, दुर्गा माता मंदिर के पीछे रहने वाले प्रियशंकर तिवारी ने कहा- 5 जुलाई से अब तक मेरे घर के अंदर सीवर का जहरीला पानी भरा है। हर सांस बदबू से भारी है, जिंदगी नर्क बन चुकी है। एक अन्य निवासी ने तड़पते हुए कहा– मेरे पिताजी को हार्ट में 7 स्टेंट डाले गए हैं और उन्हें शुगर है। इस गंदगी के बीच उनकी सेहत तेजी से बिगड़ रही है। डर है कि कहीं ये हालात उनकी जान न ले लें। बच्चों का बचपन खतरे में समस्या सिर्फ एक गली तक सीमित नहीं–B1/73, 74 और ब्लॉक ष्ट की गली नंबर 2 से 6 तक में यही हाल है। सरकारी प्राथमिक विद्यालय तक जाने के लिए छोटे-छोटे बच्चे इसी सड़ांध और गंदगी से होकर गुजरते हैं। यह न सिर्फ बच्चों की सेहत, बल्कि उनके भविष्य के साथ भी खिलवाड़ है।शिकायतों का ढेर, कार्रवाई शून्य

दिल्ली जल बोर्ड में बार-बार दर्ज शिकायतें

DJB002878211 (5 जुलाई)
DJB002898521 (10 जुलाई)
DJB002949104 (23 जुलाई)
DJB003005744 (6 अगस्त)

DJB003019930 (10 अगस्त) लेकिन ज़िम्मेदार अधिकारी कागज़ों में शिकायतें दबा कर बैठे हैं। थके-हारे लोगों ने निजी सफाईकर्मी को पैसे देकर सफाई करवाई, पर मुख्य सीवर लाइन जाम होने से पानी फिर से लौट आया।सोलंकी की खुली चेतावनी सोलंकी ने मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल से विजिलेंस जांच और लापरवाह अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने साफ कहा- अगर प्रशासन अब भी नहीं जागा, तो मधु विहार की जनता सड़क पर उतरकर दिल्ली सरकार को जवाब देने पर मजबूर होगी।

ठाकुरजी की पोशाक बनाने को बना रहे मुद्दा

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि का मुकदमा लड़ रहे दिनेश फलाहारी ने मंगलवार को एक ऐसी मांग की है, जिससे मुस्लिम कारीगरों के सामने रोजगार चलाना मुश्किल हो सकता है। दरअसल, मथुरा के मंदिरों में ठाकुर जी को पहनाई जाने वाली पोशाक को हिन्दू कारीगर से बनाने की मांग की गई है। बताया जा रहा है कि दिनेश फलाहरी ने वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर के प्रबंधन को एक ज्ञापन सौंपा है। जिसमें कहा गया है कि ठाकुर जी को जो पोशाक हिन्दू कारीगरों के द्वारा बनाकर ही धारण कराई जा। दूसरी ओर एक मुस्लिम कारीगर ने बताया कि जब तक काम चल रहा है तब तक कर रहे हैं आगे फिर जो भी होगा, तो दूसरा काम देखेंगे। दिल तो दुखता ही है, अगर उनकी बातों पर लोगों ने पोशाक लेना बंद कर दिया, तो हम तो भूखों मर जाएंगे। इस तरह की बयानबाजी नहीं होनी चाहिए। 10 से 12 घंटे काम करते हैं तब जाकर 400 से 500 रुपये की मजदूरी बन पाती है। यह काम करते हुए 40 साल हो गए।

छतौरा-बरबटपुर मार्ग धंसने से यातायात पूरी तरह ठप, ग्रामीणों में बढ़ी चिंता

स्वतंत्र प्रभात

कर्नलगंज, गोंडा। तहसील क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम छतौरा से बरबटपुर को जोड़ने वाली मुख्य सड़क मंगलवार सुबह अचानक धंस जाने से पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। यह सड़क स्थानीय लोगों के लिए आवागमन का प्रमुख माध्यम है, जिससे ना केवल रोजाना स्कूल जाने वाले बच्चे गुजरते हैं, बल्कि किसानों के लिए फसल मंडी तक पहुंचने का भी यह एकमात्र मार्ग है। मंगलवार की सुबह जैसे ही सड़क धंसी, आसपास के ग्रामीणों में चिंता और नाराज़गी की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले कई दिनों से लगातार हो रही बारिश और नाले के जलस्तर में बढ़ोतरी के कारण सड़क की नींव कमजोर हो गई थी। बारिश के साथ ही मिट्टी में दरारें पड़ने लगी थीं, जिससे धीरे-धीरे सड़क का ढांचा कमजोर होता गया। मंगलवार सुबह अचानक सड़क का एक बड़ा हिस्सा धंस गया, जिससे वहां मलबे का पहाड़ बन गया और रास्ता पूरी तरह बंद हो गया। इससे क्षेत्र के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग की गुणवत्ता पहले से ही खराब थी और समय-समय पर प्रशासन द्वारा की गई मरम्मत केवल खानापूर्ति जैसी रही है। बार-बार मरम्मत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया, जिससे यह हालात उत्पन्न हुए हैं। कई ग्रामीणों ने कहा कि हमने कई बार प्रशासन को इस सड़क की बदहाली के बारे में बताया, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। सड़क बंद होने से बच्चों का स्कूल जाना, मरीजों का अस्पताल पहुंचना और किसानों की फसल मंडी तक पहुंचना भी प्रभावित हो गया है। क्षेत्रीय किसानों का कहना है कि फसल समय पर मंडी तक नहीं पहुंच पाई तो उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसी वजह से वे प्रशासन से शीघ्र मरम्मत की मांग कर रहे हैं।

कारोबार: मथुरा में मुसलमानों को रहता है जन्माष्टमी पर्व का बेसब्री से इंतजार

● 150 से अधिक कारखाने हैं पोशाक होती हैं तैयार, अधिकांश हैं मुस्लिम कारीगर

सजावट भी करते हैं मुसलमान कारीगर, गोकुल में गाते हैं बधाई गीत

ठाकुर जी की पोशाक तैयार करते मुसलमान कारीगर।

मथुरा। कारोबार का अपना गणित होता है। कान्हा की नगरी में मुसलमानों को भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का बेसब्री से इंतजार रहता है। इसकी वजह है कि कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर पोशाक, मुकुट, बांसुरी एवं ठाकुर जी के श्रृंगार का करोड़ों का कारोबार होता है। इन्हें तैयार करने के लिए 150 से अधिक कारखाने हैं। जिनमें बहुतायत में मुस्लिम कारीगर ही काम करते हैं। यह त्योहार उनके लिए वर्षभर की रोजी रोटी का जरिया है। मथुरा में पोशाक और मुकुट श्रृंगार का व्यवसाय फैला हुआ है। 150 से अधिक कारखानों में अधिकांश कारीगर मुस्लिम समाज के हैं, जो दिन रात भगवान श्रीकृष्ण के पोशाक और श्रृंगार का सामान तैयार करने में जुटे हुए हैं, वह इन लोगों की रोजी रोटी का भी एक साधन है। कान्हा के जन्मोत्सव का इंतजार इन्हें बेसब्री से रहता है। जन्माष्टमी से महीनों पहले से ही ये भगवान श्रीकृष्ण की पोशाकों को तैयार करने में लग जाते हैं। भगवान के मुकुट, गले का हार, पायजेब, बगल बंदी, चूड़ियां, कान के कुंडल जैसे आभूषणों को तैयार किया जाता है। तैयार होने के बाद इन्हें विदेशों में भी भेजा जाता है। इन लोगों पर अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड कनाडा, नेपाल और अफ्रीका से भी ऑर्डर आते हैं। कान्हा की नगरी में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व आपसी सौहार्द की अनूठी मिशाल है।

ठाकुर जी की पोशाक मुसलमान बनाते हैं वहीं गोकुल में नंदोत्सव के बाधाई गीत मुसलमान गाते हैं। इतना ही नहीं शहर भर में जगह जगह के काम में भी बडी संख्या में मुसलमान युवक उत्साह से अपना श्रम और योगदान देते हैं। कान्हा की पोशाकों को तैयार करने मे दिन रात मुस्लिम कारीगर लगे हुए हैं, पीढ़ी दर पीढ़ी इनका यह कारोबार चला आ रहा है। मथुरा में भगवान श्री कृष्ण के जन्म उत्सव को लेकर सभी तैयारियों में लगे हुए हैं, वहीं प्रशासन भी पूरी तरह भगवान श्रीकृष्ण के जन्म उत्सव को अबकी बार दिव्य और भव्य बनाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा हैं। जन्माष्टमी के अगले दिन गोकुल में सुबह जब कान्हा की जन्म की खुशियां मनाई जाती हैं तो बधाई गीत भी मुसलमान गाते हैं और शहनाई भी मुसलमान ही बजाते हैं। मुस्लिम कारीगर भगवान श्रीकृष्ण और राधा जी की सुंदर और आकर्षक पोशाक तैयार करने में लगे हैं। ठाकुर जी को जन्मोत्सव के दिन श्रृंगार में पहनाई जाने वाली पोशाकों के निर्माण में जुटे हुए हैं। इन पोशाक की भारत के विभिन्न शहरों में ही नहीं विदेशों में भी मांग है। मुस्लिम समाज के यह लोग भगवान श्रीकृष्ण की पोशाक बनाने का काम इनके पूर्वज भी इसी तरह किया करते थे। मुस्लिम कारीगर मोइनुद्दीन ने बताया कि 40 साल हो गये काम करते, विदेशों में भी जाती हैं हमारी पोशाक, इस पर फंख्र महसूस करता हूं, हमारी किस्मत है कि ठाकुर जी ने हमें अपने कपड़ों को सिलने पर लगा रखा है। यह संदेश पूरा भारत में जाना चाहिए, भाईचारा सीखना है तो हमारे मथुरा वृंदावन से सीखें। पांच फुट के ठाकुर जी होंगे तो पोशाक सिलने में पूरा एक महीना लगता है। एक पोशाक में करीब पांच आदमी लगते हैं। हमें अच्छा लगता है, दिल को सुकून मिलता है, ठाकुर जी की पोशाक बनने में, भरत और भारत के बाहर के मंदिरों में हमारी पोशाक पहनाई जाती है।

जैन हॉस्पिटल विवाद में पत्रकार को जान से मारने की धमकी

● 40 से अधिक पत्रकारों ने डीएम एसएसपी को सौंपा ज्ञापन

पत्रकार को गरीब की सच्चाई दिखाने पर जान से मारने की धमकी

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। जैन हॉस्पिटल विवाद की कवरेज करने पर पत्रकार अजीत कुमार चौहान को अज्ञात व्यक्ति ने व्हाट्सऐप पर जान से मारने और परिवार को नुकसान पहुँचाने और आगे सोच समझ कर करना जैसी धमकी दी है। घटना से शहर के पत्रकारों मै गहरा रोष है। जानकारी के अनुसार, 8 अगस्त 2025 को सुबह लगभग 11ः28 बजे पत्रकार के मोबाइल पर धमकी भरे संदेश आए। संदेश में कहा गया– "तुम गरीबों के हितैषी बन रहे हो, जैन हॉस्पिटल और डॉक्टर चारु जैन का वीडियो चला रहे हो, इसे तुरंत हटा दो, वरना तुम्हारे घर से लेकर कार्यालय तक, पत्नी और बच्चों तक की सारी जानकारी हमारे पास है। किसी भी समय तुम्हारे साथ घटना हो सकती है और मथुरा का कोई डॉक्टर तुम्हारा इलाज नहीं करेगा। पुलिस के पास जाने की कोशिश की तो दो दिन में खामियाजा भुगतना पड़ेगा।"

पृष्ठभूमि- कुछ दिन पूर्व उस्फार निवासी पूनम नामक महिला के परिजनों ने आरोप लगाया था कि जैन हॉस्पिटल में ओवरडोज इंजेक्शन देने से उनकी बेटी की हालत बिगड़ गई। इस घटना का वीडियो पहले से सोशल मीडिया पर वायरल था, जिसमें डॉक्टर चारु जैन परिजनों से कथित तौर पर धमकी भरे अंदाज में बात करती नजर आ रही थीं। इस मामले की कवरेज कई समाचार माध्यमों ने की, लेकिन धमकी केवल अजीत कुमार चौहान को दी गई। पत्रकार का कहना है कि यह पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर सीधा हमला और मानसिक उत्पीड़न का प्रयास है। उन्होंने आशंका जताई कि डॉक्टर चारु जैन या उनके सहयोगी उनकी जान को नुकसान पहुँचा सकते हैं। **पत्रकारों का ज्ञापन-** घटना के विरोध में सोमवार को अखिल भारतीय पत्रकार प्रेस क्लब के बैनर तले लगभग 40-50 पत्रकारों ने जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा को ज्ञापन सौंपा। जिलाधिकारी ने भरोसा दिलाया कि मामले में शीघ्र और उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पत्रकार स्वतंत्र हैं और सही तरीके से कवरेज करते रहें, उन्हें कोई दबा नहीं सकता। पत्रकार समाज अब पुलिस और प्रशासन से इस धमकी के पीछे के आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की अपेक्षा कर रहा है।

श्लोक कुमार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा से पत्रकार उत्पीड़न मामले में पत्रकार अपना पक्ष रखते हुए

15 से 17 अगस्त तक ब्रज में रहेगी श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की धूम

● 400 से अधिक कलाकार देंगे ब्रज की लोक कलाओं की प्रस्तुति

फिर जीवंत होगी ब्रज संस्कृति, बीन और बांसुरी की धुन पर झूमेंगे श्रद्धालु

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण की जन्म और लीला स्थली मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव 2025 को भव्य और दिव्य रूप में मनाए जाने की तैयारियां तेज हो गई हैं। कन्हैया के जन्मोत्सव पर ब्रज आने वालों को आध्यात्मिक और अलौकिक अनुभूति कराए जाने के लिए तीन दिन करीब 400 कलाकारों की टोलियां लोक संस्कृति की प्रस्तुति देंगी। इसमें कहीं रास नजर आएगा तो कहीं बांसुरी की धुन सुनाई देगी। रसिया और रागिनी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेंगी। जन्माष्टमी का उल्लास इस बार 15 अगस्त से 17 अगस्त तक ब्रज में छाएगा। जन्मोत्सव और नंदोत्सव के उल्लास में देश भर से आने वाले श्रद्धालुओं को सराबोर करने की तैयारी उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने जिला प्रशासन के साथ कर ली है। इस उत्सव को और खास बनाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण की जन्म स्थली मथुरा से लेकर लीला स्थली वृंदावन, नंदगांव, बरसाना, गोवर्धन, बलदेव, गोकुल में तैयारियों का दौर चल रहा है। इन तीर्थ स्थलों को उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने कृष्णमय बनाने का काम शुरु कर दिया है। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सीईओ श्याम बहादुर सिंह ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर भगवान श्रीकृष्ण की जन्म और लीला स्थलियों से जुड़े रास्ते उल्लास में सराबोर नजर आएंगे। ब्रज की लोककला और ब्रज संस्कृति का हर तरफ नजारा दिखाई देगा। 21 से अधिक छोटे मंच और पांच बड़े मंच बनाए जा रहे हैं। यहाँ रास, भजन, नृत्य, जन्म लीला सहित ब्रज की लोक कलाएं प्रदर्शित होंगी। श्रीकृष्ण जन्मस्थान से जुड़े सभी प्रमुख मार्गों पर ब्रज संस्कृति के रंग श्रद्हलुओं को अपने रंग में सराबोर करेंगे। उन्होंने बताया कि इसके अलावा सभी प्रमुख रास्तों पर स्ट्रीट परफॉर्मर के ग्रुप भी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। इसमें बीन, डमरु, ढप, ढोल, मजीरा, सारंगी, बम नगाड़ा, कच्ची घोड़ी, वहरूपिया लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेंगे।

इन स्थानों पर बनाए जाएंगे छोटे मंच

पोतरा कुंड, महाविद्या डवाइडर, मसानी मुकुंद बिहार, डीग गेट सब्जी मंडी, भूतेश्वर तिराहा, माल गोदाम रोड रेलवे स्टेशन, बी एसए कालेज, नया बस अड्डा, रसखान की समाधि स्थल, बल्देव मैन बस स्टैंड, गोकुल में मंदिर के पास, दानघाटी मंदिर के सामने, चंद्र सरोबर पारासौली, गोविंद देव मंदिर के सामने वृंदावन, जयगुरु देव मंदिर सलेमपुर रोड, इस्कान मंदिर के पास वृंदावन, बिरला मंदिर के पास छोटे मंच बनाए जा रहे हैं। यहाँ 15 अगस्त को दोपहर 3 बजे से रात 9 बजे तक, 16 अगस्त को दोपहर दो बजे से रात 10 बजे तक प्रस्तुतियाँ होंगी।

250 लोककलाकार करेंगें कला का प्रदर्शन

सीइओ श्याम बहादुर सिंह ने बताया कि 250 कलाकार जन्मस्थान की परिक्रमा करते हुए अपनी लोक कला का प्रदर्शन करेंगे। यह शोभायात्रा 15 अगस्त को सुबह 10 बजे से शुरु होगी, जो 12 बजे तक निकलेगी। इसमें विभिन्न क्षेत्रों के कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।

जन्मस्थान सहित पांच स्थानों पर बड़े मंच बने

श्रीकृष्ण जन्मस्थान के लीला मंच पर 15 और 16 अगस्त को दोपहर 12 बजे से शाम सात बजे तक तथा 17 अगस्त को सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक प्रस्तुतियाँ होंगी। इसके अलावा पाच्चजन्य प्रेक्षाग्रह में 16 और 17 अगस्त को दोपहर दो बजे से शाम सात बजे तक, महावन में चौरासी खम्भा मंदिर पर 17 अगस्त को शाम चार बजे से आठ बजे तक, बलदेव मंदिर क्षेत्र में 29 अगस्त को दोपहर 12 बजे से शाम छह बजे तक, गीता शोध संस्थान वृंदावन में 17 अगस्त को शाम पांच बजे से 8.30 बजे तक प्रस्तुतियाँ होंगी। 17 अगस्त को नंदगांव में नंदोत्सव पर विभिन्न कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की तैयारियां तेज

मंगलवार को नगर आयुक्त जग प्रवेष ने श्री कृष्ण जन्मभूमि के आसपास क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व की तैयारियों के दृष्टिगत नगर आयुक्त ने श्री कृष्ण जन्मभूमि क्षेत्र में पोतरा कुंड, गेट नंबर 1, गेट नंबर 2 से होते हुए एक एक बिंदु को बारीकी से देखा।

किसान संगठन की मांग, एमएसपी पर कानून बनाए सरकार

● किसानों के साथ अन्याय किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगा: ऋषिपाल अंबावता

पूर्व मंत्री पंडित श्याम सुंदर शर्मा भी सम्मेलन के मंच रहे मौजूद

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा भारतीय किसान यूनियन अंबावता का मांट तहसील में जावरा रोड पर श्याम फार्म हाउस में किसान अधिवेशन संपन्न हुआ। जिसमें संगठन के प्रदेशभर से आए पदाधिकारियों ने भाग लिया। किसान अधिवेशन में आए राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी ऋषिपाल अम्बावता ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार किसान विरोधी सरकार है दिल्ली में चले 13 महीने के आंदोलन में सरकार ने कहा था कि हम एमएसपी पर सख्त कानून बनाएंगे लेकिन सरकार अपने वायदे से मुकर गई और किसानों के साथ बहुत बड़ा छलावा इस सरकार ने किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि किसानों का संपूर्ण कर्जा माफ होना चाहिए , पूरे देश में एक समान बुढ़ापा पेंशन मिलनी चाहिए, बकाया गन्ना मूल्य का भुगतान करना चाहिए और वर्तमान समय में डीएपी और खाद पर हो रही कालाबाजारी को तुरंत रोकना चाहिए। किसानों को डीएपी और यूरिया नहीं मिल पा रहा है। मथुरा आगमन पर उन्होंने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि मथुरा भगवान श्री कृष्ण की जन्मस्थली है, मथुरा आना मेरे लिए बड़े सौभाग्य की बात है। वहीं कार्यक्रम में प्रदेश सरकार में पूर्व में शिक्षा मंत्री रहे पंडित श्याम सुंदर शर्मा ने कहा कि मेरी पृष्ठभूमि किसान परिवार से है , मैंने स्वयं किसान परिवार में जन्म लिया है और मैं किसानों के दर्द को भली भांति जानता हूं। सरकार को किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य करना चाहिए। उन्होंने वर्तमान समय में खाद और यूरिया की समस्या पर अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मथुरा जनपद में किसानों को खाद एवं यूरिया नहीं मिल पा रहा है। जिला अध्यक्ष मथुरा अनिल शर्मा, प्रदेश सचिव डॉ. सत्यपाल सिंह कुंतल, जिला महासचिव गिरीश चौधरी, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप चौधरी, विष्णु पुजारी, संतोष कटारा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी ऋषिपाल अंबावता एवं पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री श्याम सुंदर शर्मा को श्री कृष्ण एवं राधा का चित्र भेंट किया और पटका पहना कर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन मनवीर सिंह एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कुमरजी ने की। अधिवेशन में प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र प्रधान, युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष रमन सिंह, जिलाध्यक्ष लखनऊ राजकुमार यादव, जिला अध्यक्ष इटावा गुरवेश यादव, जिला उपाध्यक्ष मथुरा ठाकुर रामकुमार सिंह, जिला सचिव राकेश फौजदार, पूर्व जिला पंचायत सदस्य मुकेश भारद्वाज, अकबर खान, प्रदीप अग्रवाल, चेयरमैन योगेश उर्फ भूरा, तहसील अध्यक्ष मांट जगदीश निषाद, ब्लॉक अध्यक्ष नौहझील अंकित चौहान, कोषाध्यक्ष विजय पाठक, दयाराम पाठक, ठाकुर सुदर्शन, जगदीश कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी ऋषिपाल अम्बावता किसानों को संबोधित करते हुए।

23 अगस्त को शहीद मनवर नाथ के प्रतिमूर्त उद्घाटन का दिन तय किया गया

● असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमांता विश्व शर्मा की करकमलों से करेंगे उद्घाटन।

अखिल असम नाथ योगी छात्र संघ ने किया घोषणा।

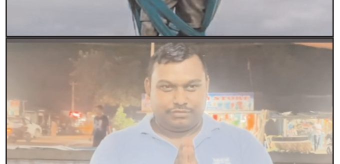

असम धेमाजी। 1942 के 20 सितम्बर के भारत त्याग आंदोलन के नाथ योगी समुदाय के पंच शोहदों में अन्यतम एक शहिद मनवर नाथ। मनवर नाथ ने डेकीयाजुली पुलिस स्टेशन से ब्रिटिश का यूनियन जैक हटाकर तिरंगा पताका लहराते समय ब्रिटिश पुलिस ने गोली मार दी थी। मनवर नाथ उसी समय शहीद हो गए थे। शहीदों में मनबर नाथ, कुमली देवी , खुहुली देवी , कनिका देवी , छोट नाथ (संन्यासी), मनीराम कचारी, महीराम कोच, मंगल कुर्मी, तिलेश्वरी बरुआ, रतन कचारी, लेरेला कचारी, दयाल कचारी, सरू हैं। वे चुटिया, कर्क गढ़ और गोहपुर के कनकलता बरुआ और मुकुंद काकाती असम से 1942 के 20 सितम्बर के दिन असम में भारत त्याग आंदोलन में शहीद हो गए थे।

अखिल असम नाथ योगी छात्र संघ के तत्परता से और राज्य सरकार के सहयोग में मनवर नाथ के जन्म गांव असम नौगांव जिले की बेबेजिया जामुगुड़ी में असम के वरिष्ठ मंत्री पीयूष हजारिका की देखरेख में और असम नाथ-योगी छात्र संस्था के सहयोग से शहीद मनबर नाथ की प्रतिमा निर्माण किया गया। लंबे समय के बाद अगले 23 अगस्त को असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमांता विश्व शर्मा द्वारा प्रतिपूर्ति का शुभ उद्घाटन किया जाएगा। इस संदर्भ में कल अखिल असम नाथ योगी छात्रा संघ के अध्यक्ष योगी अरविंद नाथ और साधारण सचिव योगी दीपक नाथ ने संघ के असम की सभी जिला समिति एवं नाथ योगी समुदाय के लोगों को अनुरोध की है कि शहीद मनवर नाथ के प्रतिमूर्ति उद्घाटन समारोह में अधिक से अधिक लोगों उपस्थित होकर उद्घाटन अनुष्ठान को सफ़ल मनाने की आहवान किया है।

भारतीय जनता पार्टी ने होलीगेट से निकाली तिरंगा शोभायात्रा

मथुरा। भारतीय जनता पार्टी होली गेट मंडल महानगर द्वारा राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर महानगर में होली गेट मंडल सदर मंडल वृंदावन में निकाली गई। वहीं होली गेट मंडल की तिरंगा यात्रा का शुभारंभ होली गेट चौराहे से हुआ। यह यात्रा छत्ता बाजार, द्वारकाधीश, डोरी बाजार होते हुए गांधी प्रतिमा, गांधी पार्क, चौक बाजार भरतपुर गेट कोतवाली रोड होती हुई विकास बाजार पर संपन्न हुई वही होली गेट मंडल की तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने राष्ट्रभक्ति, एकता और संगठन की शक्ति पर प्रेरक संबोधन दिया। उन्होंने तिरंगे को राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताते हुए कहा कि तिरंगा हमारे देश की आन, बान और शान है, और इसके सम्मान में उठाया गया प्रत्येक कदम स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग को नमन है। उन्होंने युवाओं से देशहित में एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।विशिष्ट अतिथि पिछड़ा वर्ग राष्ट्रीय आयोग के सदस्य भुवन भूषण कमल ने अपने ओजस्वी संबोधन में राष्ट्र की अखंडता, तिरंगे के सम्मान और जन-जन में देशप्रेम की भावना जाग्रत करने के महत्व पर विस्तार से विचार रखे। उनके विचारों ने कार्यक्रम की गरिमा को नई ऊंचाई दी और जनसमूह में उत्साह एवं ऊर्जा का संचार किया।भाजपा महानगर मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा ने बताया कि भाजपा महानगर द्वारा वृंदावन मंडल, सदर मंडल एवं होली गेट मंडल में तिरंगा यात्राएं निकाली गईं। सदर मंडल की यात्रा में मुख्य अतिथि गोवर्धन के पूर्व विधायक कारिंदा सिंह रहे, जबकि वृंदावन मंडल की यात्रा में मुख्य अतिथि महापौर विनोद अग्रवाल रहे। इस अवसर पर मंडल कार्यक्रम संयोजक लोकेश तायल तिरंगा यात्रा संयोजक पार्षद हनुमान पहलवान कार्यक्रम संयोजक छोटेलाल सैनी पूर्व बाल संरक्षण आयोग अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष डी.पी. गोयल वरिष्ठ भाजपा नेता मदन मोहन श्रीवास्तव मंडल संयोजक एवं समन्वयक संजय शर्मा विजय बंटा

सर्राफ जिला मंत्री कुंज बिहारी चतुर्वेदी मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा नितिन चतुर्वेदी ललित गौतम पूर्व मंडल महामंत्री कृष्ण सूबेदार श्याम शर्मा आशीष शर्मा सर्वेश चतुर्वेदी, संदीप माथुर अवनीश सक्सेना अभिषेक चौहान युवा मोर्चा नगर उपाध्यक्ष महानगर अध्यक्ष युवा मोर्चा यज्ञ दत्त कौशिक आयुष चतुर्वेदी अशोक यादव कृष्ण आचार्य, गिरधारी लाल अग्रवाल महेश गोला शरद चतुर्वेदी सुरेन्द्र चतुर्वेदी रामदास चतुर्वेदी, आरती चतुर्वेदी पार्षद रचना रामकिशन पाठक छाया रावत राजेन्द्र सिसोदिया डॉ. राजोरिया विमल मित्तल सहित सैकड़ों राष्ट्रभक्त एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।